शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 252 | गुवाहाटी | गुरुवार, 11 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पूरी डीएमके एक परिवार की कंपनी बनकर रह गई है : नरेंद्र मोदी — पेज 2
लोकसभा चुनाव : कांग्रेस के कटे हाथ के साथ मुसलमान नहीं : दिलीप सैकिया — पेज 3
अन्य देशों को भी विश्वास है मोदी का भारत संकट के समय में साथ रहेगा : एस. जयशंकर — पेज 5
बांग्लादेश पर श्रीलंका की सीरीज जीत के बाद मेंडिस, मैथ्यूज टेस्ट रैंकिंग में आगे बढ़े — पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कामी पुरुष कोई कार्य नहीं कर सकता।

\- आचार्य चाणक्य

असम में उग्रवाद के युग का हुआ अंत : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में उग्रवाद के युग का अंत हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष प्रयास की वजह से असम में स्थाई शांति स्थापित हुई है। मुख्यमंत्री आज चराईदेव में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब बड़ी संख्या में राज्य के युवक, सुरक्षा बल तथा आम लोगों की उग्रवाद की वजह से मृत्यु हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में हुई शांति स्थापना का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बगैर किसी सुरक्षा तामझाम के तिनसुकिया में एक मेगा रोड शो में भाग लिया। एक समय ऐसा था जब ऊपरी असम के इन जिलों में उग्रवाद के कारण इस प्रकार के कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा बलों की नींदें हराम हो जाती थीं। उन्होंने कहा कि हर तरफ बम विस्फोट, आईडी विस्फोट, विद्रोही हमले आदि के कारण सुरक्षा बलों और युवाओं की जान का काफी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि असम में स्थापित हुई स्थाई शांति का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। असम का मूल निवासी नहीं होने के बावजूद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में शांति और प्रगति के लिए व्यापक पैमाने पर प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालते ही नरेंद्र मोदी ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए, जिस कारण असम के उग्रवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर देश के मुख्य धारा में फिर से शामिल हो गए और विकास के मार्ग में योगदान देना शुरू किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने असम सरकार तथा केंद्र सरकार द्वारा जनहित तथा असम के विकास के लिए चलायी जा रही कई योजनाओं की चर्चा की।

लोग अभी इन्क्लाब जिंदाबाद नहीं, खेल में लगे हैं : सीएम

जोरहाट (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के लोग अब इन्क्लाब जिंदाबाद में नहीं, बल्कि खेल-धूप में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज खेल महारण, संस्कृत महारण जैसे कार्यक्रमों के जरिए लोगों को उनकी क्षमताओं के अनुरूप विकसित करने के काम में लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब इसकी कल्पना भी नहीं हो सकती थी कि जोरहाट से माजुली तक पुल बनेगा। लेकिन, आज यह संभव हो रहा है। 2026 तक यह पुल बनकर तैयार हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जोरहाट से लखीमपुर जाने के लिए माजुली होते हुए बेहतर रास्ता तैयार हो जाएगा। इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्मपुत्र में सुरंग के जरिए जोरहाट से गहपुर तक एक विशेष रास्ता बन जाएगा। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर से 32 किलोमीटर का फ्लाई ओवर बन जाने के बाद गुवाहाटी से जोरहाट लोग 4 घंटे में पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज विकास की राजनीति हो रही है। लोगों को भूमि का पट्टा देने के लिए बसुंधरा योजना शुरू की गई। उन्होंने कहा कि पहले भी तो इस प्रकार की योजनाएं शुरू की जा सकती थी, लेकिन किसी ने सोचा तक नहीं। मुख्यमंत्री आज जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार तपन गोगोई के समर्थन में टियक में एक चुनावी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक देश में ऐसा कोई प्रधानमंत्री नहीं हुआ जो अपने गले में असमिया फुलम गमछा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति ने ईद की बधाई दी

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को ईद-उल-फितर की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह त्योहार हमें शांतिपूर्ण जीवन जीने तथा समाज की खुशहाली और समृद्धि के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर मैं सभी देशवासियों और विदेश में रहने वाले -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज, आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के एक वकील ने चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। पत्र में वकील ने प्रधानमंत्री पर आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मतदाताओं से भाजपा को वोट देने की अपील करने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग को लिखे पत्र में वकील ने आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने हिंदू देवताओं और पूजा स्थलों के साथ-साथ -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में फिर एक गैर आदिवासी मजदूर की हत्या, परिजनों ने शव लेने से किया इनकार

मेघालय। मेघालय की राजधानी शिलांग में एक बार फिर से गैर आदिवासी मजदूर की हत्या कर दी गई जबकि एक अन्य घायल हैं। घायल को निग्रिम में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, मृतकों के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया है। परिजनों का कहना है कि जब तक ठेकेदार या पुलिस कोई आश्वासन नहीं देती, वे शव नहीं लेंगे। उल्लेखनीय है कि मेघालय में पिछले कुछ दिनों में गैर आदिवासी मजदूरों पर हमले बढ़े हैं। पिछले दिनों ही पूर्वी खासी हिल्स के इचामाती में बदमाशों ने कथित तौर पर दो लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। लोगों में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, शिलांग के घटना शहर के मावरोह इलाके की है। यहां पर एक बिल्डिंग का निर्माण कार्य चल रहा है। इस बिल्डिंग में तीन बिहारी मजदूर काम करने गए थे। दिन के करीब 10 बजे चार-पांच -शेष पृष्ठ दो पर

11 आहोम संगठनों ने गौरव गोगोई का किया बहिष्कार

जोरहाट (हि.स.)। ताई आहोम संगठन ने कांग्रेस के निवर्तमान सांसद तथा जोरहाट सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार गौरव गोगोई पर आरोप लगाया है कि वे आहोम संगठनों को सम्मान के साथ बैठक में आमंत्रित नहीं कर रहे हैं। इसको लेकर आहोम संगठनों की एक विशेष बैठक शिवसागर में हुई जिसमें यह निर्णय अटासू, ताइपा, आहोम सभा, आहोम सेना सहित 11 आहोम संगठनों द्वारा लिया गया। आहोम समुदाय के इन ग्यारह संगठनों ने बुधवार को शिवसागर में पर्यटन विभाग के बैठक कक्ष में चर्चा की। इस चर्चा में मूल रूप से दो प्रस्ताव पारित किए गए। पहला यह कि जिन आहोम उम्मीदवारों को टिकट मिला है, -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल विस चुनाव के लिए घोषणा-पत्र जारी, नड्डा बोले-

पहले उग्रवाद था, अब विकास की बहार

इटानगर। लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। सत्तारूढ़ दल भाजपा और विपक्षी गठबंधन *इंडिया* पूरे देशभर में ताबड़तोड़ रैलियां आयोजित कर रही है। इस बीच,अरुणाचल प्रदेश के लिए भाजपा ने घोषणा-पत्र जारी किया है। गौरतलब है कि 19 अप्रैल को पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश में एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव होने हैं। बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जो क्षेत्र पूरी तरह से उग्रवाद और हत्याओं और बंद संस्कृति के लिए जाना जाता था, वो अब विकास की राह पर चल पड़ा है। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों से तेजी से प्रगति हुई है। जेपी नड्डा ने कहा कि दशकों तक उपेक्षित रहे पूर्वोत्तर में 2014 के बाद से ही बड़ा बदलाव आया। यह क्षेत्र अब प्रगति, विकास और समृद्धि के लिए पहचान बनाने लगा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बिजली, पर्यटन, इंटरनेट, कनेक्टिविटी, कृषि और खेल समेत कई क्षेत्रों में पूर्वोत्तर राज्यों के विकास के लिए काम कर रही है। पूर्वोत्तर राज्यों के भाजपा के घोषणा-पत्र में मजबूत बुनियादी ढांचे, महिला -शेष पृष्ठ दो पर

मस्जिदों के अंदर अदा करें ईद की नमाज : बुखारी

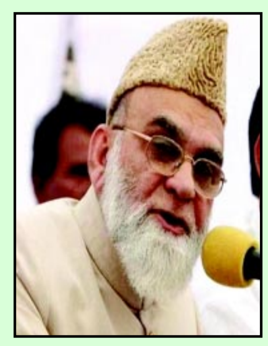

नई दिल्ली (हि.स.)। जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने देशभर के इमामों से मस्जिदों के भीतर ही नमाज पढ़ने की व्यवस्था करने की अपील की है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जहां पूरी तरह से मुस्लिम बस्तियां हैं और वहां नमाजियों की संख्या अधिक है तो वहां पर मस्जिद से बाहर नमाज पढ़ी जा सकती है। बुखारी ने कहा कि अगर उस खुले स्थान पर कोई आपत्ति या रुकावटें ना हों तो बाहर नमाज पढ़ने में कोई परहेज नहीं होना चाहिए। ऐसी स्थिति में स्थानीय प्रशासन को नमाज की अदायगी में सहयोग करना चाहिए। अन्यथा मस्जिद परिसर में ही एक से अधिक जमात का आयोजन कर नमाज अदा करनी -शेष पृष्ठ दो पर

शिकायतों के बीच चुनाव आयोग का बड़ा फैसला

होर्डिंग पर मुद्रक और प्रकाशक की पहचान होना जरूरी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव को लेकर सख्त है। वह लगातार प्रयास कर रहा है कि इस बार का चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शिता से हो। इसी क्रम में आयोग ने बुधवार को चुनाव प्रचार में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए होर्डिंग सहित मुद्रित चुनाव संबंधी सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक की पहचान देने का निर्देश दिया है। चुनाव अधिकारी का कहना है कि यह फैसला नगर निगम के अधिकारियों के नियंत्रण वाले होर्डिंग स्थानों पर मुद्रक या प्रकाशक की पहचान के बिना होर्डिंग देखे जाने के बाद लिया गया। आम आदमी पार्टी ने भी हाल में इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से संपर्क किया था। चुनाव आयोग ने जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 127ए का हवाला दिया है। बता दें धारा 127ए मुद्रक और प्रकाशक का नाम और -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र सरकार का प्रयास लाया रंग, श्रीलंका से लौटे 19 भारतीय मछुआरे

चेन्नई (हि.स.)। श्रीलंका के तट रक्षकों ने तमिलनाडु के 19 मछुआओं को छोड़ दिया है। सभी भारतीय मछुआरे मंगलवार रात चेन्नई लौट आए हैं। यह जानकारी श्रीलंका के भारतीय दूतावास की आधिकारिक सूत्रों ने दी है। दरअसल, 16 मार्च को रामेश्वरम के 21 मछुआरों का एक समूह दो नावों से समुद्र में मछली पकड़ने गया था। समुद्र के बीच से श्रीलंकाई तटरक्षक बल के जवानों ने मछुआरों को श्रीलंका की समुद्री सीमा में आने के -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस को उसके पाप की सजा मिलनी चाहिए : प्रधानमंत्री मोदी

मुंबई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को रामटेक में कहा कि कांग्रेस नीत इंडी गठबंधन को उसके पाप की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी गरीब का बेटा प्रधानमंत्री बनता है, इन्हें तकलीफ होने लगती है। यह लोग लोकतंत्र खतरे में है का नारा लगाने लगते हैं। जब मोदी का अपमान हो तो समझो रुझान किस तरफ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर में रामटेक लोकसभा क्षेत्र में आयोजित प्रचार सभा को संबोधित कर रहे थे। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत मराठी में की। अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी ने ये भी भरोसा जताया कि भाजपा की सरकार दोबारा आएगी। जब मोदी का अपमान हो तो समझो रुझान किसकी तरफ है। उन्होंने कहा कि अगले 1000 वर्षों के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा को वोट दें। पीएम मोदी ने कहा कि जब आप अयोध्या जाएंगे तो रामलला टेंट में नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर का बंटवारा नहीं होने देंगे : लोस उम्मीदवार

इंफाल। मणिपुर से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार थौनाओजाम बसंत कुमार सिंह का कहना है कि भाजपा एकजुट मणिपुर चाहती है और राज्य में किसी भी समुदाय को अलग प्रशासन का अधिकार नहीं दिया जाएगा। बसंत कुमार मणिपुर के कानून मंत्री भी है और लोकसभा चुनाव में अंदरुनी मणिपुर सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। बसंत कुमार ने कहा कि कांग्रेस मुकाबले में कहीं नहीं हैं और भाजपा आराम से जीत दर्ज करेगी। बसंत सिंह ने कहा कि भाजपा ने ही भावी पीढ़ियों के लिए मणिपुर को बचाया है। राज्य में हिंसा के बाद कुकी-जो समुदाय द्वारा अलग प्रशासन की मांग पर उन्होंने कहा कि हम एक पार्टी और सरकार के तौर पर एकजुट मणिपुर के पक्ष में हैं। किसी भी तरह -शेष पृष्ठ दो पर

दुर्ग बस हादसे में 13 की मौत, आश्रितों को 10 लाख और नौकरी, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

रायपुर (हि.स.)। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना अंतर्गत रायपुर-दुर्ग मार्ग पर मंगलवार की रात एक निजी कंपनी के कर्मचारियों की बस के खाई में गिरने से 13 लोगों की मौत पर राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने दुख जताया है। जिला प्रशासन ने घटना के कारणों की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। कंपनी प्रबंधन ने मृतकों के आश्रित परिजनों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा और एक परिजन को नौकरी देने की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में बस के दुर्घटना पर राज्यपाल हरिचंदन ने एक्स पर लिखा कि कुम्हारी थाना अंतर्गत रायपुर-दुर्ग मार्ग पर कल निजी कंपनी के कर्मचारियों से भरी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से 13 लोगों की मौत का समाचार अत्यंत पीड़ाजनक है। महाप्रभु श्रीजगन्नाथ दिवंगत आत्माओं को सद्गति और शोक-संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना। दरअसल, मंगलवार की रात जिले के कुम्हारी थाना अंतर्गत रायपुर-दुर्ग मार्ग पर कुम्हारी स्थित केडिया डिस्टिलर्स के कर्मचारियों को लेकर जा रही बस 40 फीट गहरी मुरुम के खदान में गिर गई थी। इस दुर्घटना में 13 लोगों की -शेष पृष्ठ दो पर

घर-घर चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा सांसद ने युवती को चूमा

मालदा। पश्चिम बंगाल में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू की अपने संसदीय क्षेत्र मालदा उत्तर में घर-घर चुनाव प्रचार के दौरान एक युवती को चूमने की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। यह घटना सोमवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के चंचल के सीहीपुर गांव में हुई। वायरल तस्वीर में, मुर्मू, जो दूसरी बार मालदा उत्तर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं, को महिला के गाल पर चुम्बन देते हुए देखा गया और उसके माता-पिता देख रहे थे। तृणमूल -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पूरी डीएमके एक परिवार की कंपनी बनकर रह गई है : नरेंद्र मोदी

चेन्नई (हि.स.)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमकर प्रचार कर रहे हैं। बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में दो चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। भाजपा नेता एवं प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु के वेल्लोर में डीएमके पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि डीएमके ने हमेशा *नफरत* और *विभाजन* की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया है। कभी भी तमिलनाडु के विकास की परवाह नहीं की। पूरी डीएमके एक परिवार की कंपनी बनकर रह गई है। डीएमके की फैमिली पॉलिटिक्स की वजह से तमिलनाडु के युवा को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा है। उसकी राजनीति का मुख्य आधार डिवाइड, डिवाइड और डिवाइड है। मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि ये पार्टी देश के लोगों को भाषा के नाम पर लड़ाती है, धर्म और जाति के नाम पर लड़ाती है। उन्होंने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह वर्ष तमिलनाडु की यात्रा को और मजबूत करेगा। आने वाले चुनाव तमिलनाडु के लोगों में नया उत्साह पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा को अपार जनसमर्थन मिल रहा है। पूरा तमिलनाडु कह रहा है, फिर एक बार, मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर विकसित तमिलनाडु और विकसित भारत बनाना होगा। पिछले 10 वर्षों में एनडीए की केंद्र सरकार ने विकसित भारत की नींव तैयार की है। एनडीए सरकार वेल्लोर के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्टुपालयम में जनसभा को संबोधित करते हुए डीएमके और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डीएमके उन लोगों के साथ खड़ी है जो देश में निवेश खत्म करना चाहते हैं। ये लोग अपनी राजनीति से तमिलनाडु को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि करप्शन और स्कैम का दूसरा नाम है डीएमके है। आज देश 5जी में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रहा है, लेकिन इसी डीएमके ने 2जी में स्कैम करके देश को बदनाम किया था। भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए डीएमके और कांग्रेस सबसे आगे खड़े नजर आते हैं।

आरएसएस की ड्रेस में भाजपा कार्यकर्ता ने कांग्रेस का थामा हाथ

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमाई हुई है। कर्नाटक से भाजपा ने दक्षिण भारत की राजनीति में एंट्री की है और कर्नाटक से अधिक से अधिक सीटें जीतने के लिए राजनीतक पार्टियां जोर लगा रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, जेडीएस और कांग्रेस ने ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। ऐसे में राज्य में दलबदल की राजनीति भी तेज हो गई है। बुधवार को कर्नाटक के गडग जिले के नारगुंडा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में रोना तालुक के मेनासागी गांव के निंगबासप्पा बानाड नामक भाजपा का कार्यकर्ता आरएसएस की ड्रेस पहनकर कांग्रेस में शामिल हो गया। इसे लेकर राज्य की राजनीति में खूब चर्चा हो रही है। पूर्व विधायक एसजी नंजय्यनमाथा की मौजूदगी में निंगबासप्पा बानाड ने भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री शिवानंद पाटिल और पूर्व मंत्री बीआर यौगल ने उसके सिर से काली टोपी उतारकर और खादी गांधी टोपी पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा का एक वरिष्ठ कार्यकर्ता आरएसएस की ड्रेस में कांग्रेस में शामिल हो गया है। बुधवार को गडग जिले के नारगुंडा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में रोना तालुक के मेनासागी गांव के निंगबासप्पा बानाड नामक आरएसएस स्वयंसेवक कांग्रेस में शामिल हो गए। खास बात यह है कि तीस साल तक आरएसएस के सक्रिय कार्यकर्ता रहे बनाड ने अपने गणवेश में कांग्रेस की शॉल ओढ़ रखी थी। बता दें कि इस अवसर पर पूर्व विधायक एसजी नंजय्यनमाथा की मौजूद थे। उनकी उपस्थिति में निंगबासप्पा बानाड ने भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस का दामन थाम लिया। मंत्री शिवानंद पाटिल और पूर्व मंत्री बीआर यौगल ने सिर से काली टोपी उतारकर और खादी गांधी टोपी पहनाकर और कांग्रेस शॉल ओढ़ाकर निंगबासप्पा बानाड का पार्टी में स्वागत किया। कांग्रेस में शामिल होने के बाद बोलते हुए निंगबासप्पा बानाड ने कहा कि भाजपा ने नारगुंडा निर्वाचन क्षेत्र में पैसे बांटे हैं। मैंने भ्रष्टाचार विरोधी के रूप में भाजपा पार्टी छोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर पार्टी पर हमला बोला।

अदालत की निगरानी में सीबीआई करेगी संदेशखाली मामले की जांच : एचसी

कोलकाता (हि.स.)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि यह जांच कोर्ट की निगरानी में की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि सीबीआई को नई ई-मेल आईडी खोलकर संदेशखाली घटना से जुड़ी शिकायतें लेनी होंगी। संदेशखाली को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट में कुल पांच जनहित याचिकायें दायर की जा चुकी हैं, जिन पर सुनवाई होनी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि संदेशखाली मामले की गंभीरता को देखते हुए इसमें कोई शक नहीं है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। हमारी राय है कि जांच एजेंसी को राज्य को भी सहयोग देना चाहिए।

राहुल 17 को आएंगे असम

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 17 अप्रैल को असम में आकर चुनाव प्रचार करेंगे। कांग्रेस नेता जोरहाट और डिब्रूगढ़ में दो रैलियों में भाग लेंगे। राहुल जोरहाट में कांग्रेस और विपक्ष के ऐक्य मंच के उम्मीदवार गौरव गोगोई के समर्थन में सुबह 11 बजे से एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे और डिब्रूगढ़ में दोपहर 1 बजे लुरिनज्योति गोगोई की ओर से प्रचार करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश भी दो दिन के दौरे पर असम पहुंचे रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश मंगलवार की शाम को जोरहाट में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। 11 अप्रैल को गुवाहाटी प्रेस क्लब में अपराह्न 3.30 बजे एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

मणिपुर पुलिस ने 271 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 271 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 233 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 263 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

आजमगढ़ : तालाब में नहाने के दौरान चार बच्चों की डूबकर मौत

आजमगढ़ (हि.स.)। जिले के मार्टिन गंज तहसील क्षेत्र के कुशल गांव के तालाब में स्नान करते समय चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। दीदारगंज थाना की पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। कुशलगांव के रहने वाले चार बच्चे यश (08) अंश (08), समर (09) और राजकुमार (05) खेतों में गेंहू की बाली बीनने के लिए बुधवार दोपहर दो बजे घरवालों को बिना बताए घर से चले गए। खेत से ही थोड़ी दूर पर बने पोखरे में नहाने लगे। शाम के वक्त जब जानवर चराने के लिए कुछ लोग तालाब की तरफ गए तो बच्चों के कपड़े देखकर आश्चर्य में पड़ गए। संदेहवश तालाब में उतरकर जब खोजबीन की चारों बच्चे तालाब में डूबे मिले। सूचना पाकर परिवार के लोग और पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजन बच्चों को लेकर जौनपुर जिले जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि देर शाम साढ़े सात बजे तालाब में नहाने गए चार बच्चों के शव मिले हैं।

No. TE(Ex) Admn-10/2018/Pt-1/163

EDUCATIONAL NOTICE

It is brought to the notice of all concerned that the admission into the State Government Polytechnics of Assam will be done on the basis of marks obtained by the students in H.S. L.C. examination or equivalent with Mathematics and Science as compulsory subjects for the session 2024-25.
However, for the course "Modern Office Management" of PCPS Girls' Polytechnic, Bamunimaidan, Guwahati, marks of 12th standard will be considered.
In this regard, necessary notification will be published in the local Newspapers and website of Directorate of Technical Education, Assam : www.dte.assam. gov.in at an early date.
Interested candidates are requested to keep ready the following documents: -

1. Permanent residents certificate [P.R.C.] ,
2. Caste certificate for all candidates except Un-Reserved Category.
3. Non-creamy layer certificate - for OBC/MOBC and also six communities under OBC/MOBC.
4. Grandsons/grand-daughters of freedom fighter : Certificate issued by from the Principal Private Secretary to the Chief Minister or from Home and Political Department and relationship certificate from concerned Deputy Commissioner.
5. Son/daughter of retired defense person : certificate from the Director, Rajyik Sainik Board, Assam.
6. Son/daughter of central government employees: P.R.C.- from the concerned state authority outside Assam and service certificate of father/mother from the concerned authority located in Assam.
7. Physically Handicapped (PH)/ Persons with Disabilities (PwD) : Identity Card for differently abled issued by the Social Welfare Department, Assam.
8. Economically Weaker Sections [EWSs]: Valid E.W.S. Certificate.
9. Tuition Fee Waiver [TFW] : Annual Income Certificate issued by the authority not below the rank of Revenue Circle Officer.
10. Sports quota: Certificate from the Directorate of Sports and Youth Welfare, Assam.

-- Janasanyog /D/ 174 / 24/ 11-Apr-24

Sd/-
Director of Technical Education, Assam, &
Secretary, State Council for Technical Education,

योगेश्वर संस्थान ने योगोत्सव 2024 का आयोजन किया

गुवाहाटी। योगेश्वर संस्थान ने, मोराजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सहयोग से बुधवार को मालीगांव सेंट्रल गोटानगर स्थित शांत योग तीर्थ में जीवंत योगोत्सव 2024 की मेजबानी की। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6.50 बजे दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस योगोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि डेनमार्क, यूरोप से आए इस्कॉन भक्त गौरहरि दास, एनएफ रेलवे के मुख्य सार्वजनिक अधिकारी शशांक शर्मा, अभिनेता भगवत प्रीतम दत्त, सामाजिक कार्यकर्ता, योगाचार्य अशोक सैकिया सहित उल्लेखनीय हस्तियों ने किया। इस मौके पर आईवाईसी के संस्थापक अध्यक्ष सुभाशीष और पांडु कॉलेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शांतनु रॉय चौधरी उपस्थित थे। योगेश्वर संस्थान के अध्यक्ष दिब्या ज्योति डेका द्वारा आयोजित सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ कार्यक्रम जारी रहा, जिसमें बिमान कुमार नाथ, स्मृति रेखा सैकिया, देबोप्रियम कर, सुमन राजवंशी और असवर्ज्य रानी पदुन सहित कुशल चिकित्सकों द्वारा योग का प्रदर्शन किया। योग प्रेमियों को आईआईटी गुवाहाटी, कृष्ण कांत हैंडिक सरकारी संस्कृत कॉलेज, भारतीय योग संस्कृति और योग थेरेपी केंद्र, योग साधना केंद्र, पूर्वांचल योग महाविद्यालय, और प्रतिश्रुति योग और केंद्र दारंग और गुवाहाटी जैसे प्रमुख संस्थानों और केंद्रों द्वारा अभिनंदन किया गया। इस मौके पर योगविद् विकास नारायण शर्मा, सुनिता अग्रवाला, सुरेश पोद्दार, अनिल शर्मा, सिकता देव कर, हृदयानंद तमुली फुकन, बिष्णु राय राजवंशी, मनश्री प्रकाश को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में योग प्रदर्शनकारियों के लिए प्रमाण पत्र वितरण और योग विषयों पर मुफ्त पुस्तक वितरण भी किया गया योगेश्वर संस्थान के अध्यक्ष दिब्या ज्योति ने इस परिवर्तनकारी पहल का नेतृत्व करने के लिए मोराजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को हार्दिक धन्यवाद दिया। उन्होंने जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए इसके अत्यधिक मूल्य पर जोर दिया और विविध पृष्ठभूमि के लोगों को लाभ पहुंचाने के संबंध में प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में लगभग 550 व्यक्तियों ने भाग लिया।

पृष्ठ एक का शेष

लोग अभी इन्क्लाब...

लगाकर घूमता हो। ऐसा प्रधानमंत्री जिसे गले में असमिया गमछा लगाकर शक्ति और प्रेरणा मिलती हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के लिए हमेशा ही विशेष चिंतन करते हैं, यही वजह है कि आज असम की सूरत बदल रही है। उन्होंने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री मोदी 26 बार असम आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आईसीयू में जा चुकी है, इसलिए वह कांग्रेस की बातें अधिक नहीं कहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नकारात्मक राजनीति नहीं, बल्कि विकास की राजनीति हो रही है। अमृत वृक्ष योजना के जरिए एक साथ इतने पेड़ असम में कभी नहीं लगाए गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम का हर आदमी आज भाजपा के इन कार्यों का कायल हो चुका है। यही वजह है कि कांग्रेस का लगातार सफाया होता जा रहा है और भाजपा मजबूत होती जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रही कई योजनाओं की चर्चा की।

पीएम के खिलाफ ...

सिख देवताओं और पूजा स्थलों के नाम पर वोट मांगे, जिससे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हुआ। इससे पहले, असम में नगांव निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस सांसद और लोकसभा चुनाव के उम्मीदवार प्रद्युत बरदलै ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने मौजूदा चुनाव अभियान के दौरान सभी राशन कार्डधारकों को पैसे की पेशकश करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। बरदलै ने मंगलवार रात मुख्य चुनाव आयुक्त को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि शर्मा ने दिन में लखीमपुर में एक सार्वजनिक बैठक में चुनाव के बाद प्रत्येक राशन कार्डधारक के बैंक खाते में 10,000 रुपए स्थानांतरित करने का वादा किया था।

मेघालय में फिर ...

असामाजिक तत्व अचानक साइट पर पहुंचे और उनसे श्रमिक कार्ड दिखाने को कहा। इससे पहले कि मजदूर कोई जवाब दे पाते, उन्होंने उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मजदूर का नाम अर्जुन राय बताया गया है। एक अन्य मजदूर बुरी तरह से घायल है जिसका इलाज निग्रिम अस्पताल में चल रहा है जबकि एक अन्य मजदूर जिसका नाम राजा राम बताया जा रहा है उसने भागकर अपनी जान बचाई और सारी जानकारी स्थानीय लोगों को बताई। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों पूर्वी खासी हिल्स के इचामती में दो मजदूरों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे बचपन से वे यहीं पर रहते थे। उनके पूर्वज भी वहां आकर बस गए थे। सुबह घर से ठीक-ठाक निकले थे, लेकिन 12 बजे तक सब कुछ खत्म हो गया। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आखिर लोगों ने उनकी हत्या क्यों कर दी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

11 आहोम संगठनों ...

लुरिनज्योति गोगोई, गौरव गोगोई, तपन गोगोई को आदिवासीकरण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। ताई आहोम स्टूडेंट्स यूनियन के नेतृत्व ने आज संवाददाताओं से कहा कि सभी निर्वाचन क्षेत्रों के सभी आहोम उम्मीदवारों को 24 घंटे के भीतर आहोमों के आदिवासीकरण पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। अगर वे अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं करते हैं, तो 12 अप्रैल को ऑल ताई आहोम स्टूडेंट्स यूनियन सहित सभी आहोम संगठन मीडिया के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। आहोम छात्र संघ के नेतृत्व ने कहा कि वे अपना रुख स्पष्ट करेंगे कि आहोम आदिवासी संगठन किस उम्मीदवार के पक्ष में होंगे। कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को ताई आहोम संगठन को शिवसागर में एक बैठक के लिए आमंत्रित किया। जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार गौरव गोगोई ने उस बैठक में छात्र संगठन को आमंत्रित नहीं किया। यहां तक कि कांग्रेस अध्यक्ष ने भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया।

पहले उग्रवाद था...

सशक्तिकरण, रोजगार और जवाबदेह शासन के निर्माण का वादा किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार रोडवेज, रेलवे और वायुमार्ग क्षेत्रों में परियोजनाओं को लागू करके राज्य में मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और एकीकृत ढांचागत विकास को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों के लिए *अरुणाचल प्रदेश गति शक्ति मास्टर प्लान* लॉन्च करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा घोषणापत्र में किए गए वादों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने जो वादा किया था वह पहले ही कर चुके हैं और जो वादा नहीं किया था वह भी पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा पूर्वोत्तर को प्राथमिकता देते हैं। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने इस क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों के बराबर लाने के लिए कई पहल की हैं।

होर्डिंग पर मुद्रक...

पता प्रदर्शित किए बिना चुनावी पर्चे, पोस्टर, तख्तियां या बैनर छापने या प्रकाशित करने पर प्रतिबंध लगाती है। आयोग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि प्रकाशकों की पहचान होना इसलिए जरूरी है, क्योंकि कोई पैसा खर्च होता है तो उसकी जानकारी मिल सके। वहीं अगर चुनावी अभियान के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन पाया जाता है तो कार्रवाई की जा सके। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में इस बिंदु को उजागर करने के लिए एक दोहा भी पढ़ा था कि गलत सूचना पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने गलत सूचना को एक बुलबुला के रूप में वर्णित किया था जो छूने पर फट जाता है। बयान में कहा गया है कि इस निर्देश के साथ आयोग ने शहरी स्थानीय निकायों के प्रिंटरों, प्रकाशकों, लाइसेंसधारियों या ठेकेदारों पर जवाबदेही तय कर दी है, जो राजनीतिक विज्ञापन लगाने के लिए जगह किराए पर देते हैं।

केंद्र सरकार का ...

आरोप में पकड़ लिया और उनकी नावें जब्त कर लीं। बाद में श्रीलंका पुलिस ने इन मछुआरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। यह सभी मछुआरे मयिलादुथुराई, पुदुकोट्टई और कराईकल के रहने वाले हैं। भारतीय मछुआरों की गिरफ्तारी से परेशान मछुआरों के परिवारों ने राज्य और केंद्र सरकार से उन्हें रिहा करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। इसके बाद श्रीलंका में स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने उनके आवश्यक कागजात पेश कर मछुआरों को छुड़ाने का प्रयास किया। इसके बाद श्रीलंका में भारतीय दूतावास की मदद से 19 मछुआरों को जेल से रिहा कर भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया। श्रीलंका के भारतीय दूतावास ने एक्स पर आधिकारिक जानकारी दी कि यह सभी 19 मछुआरे मंगलवार की रात 19 कोलंबो से चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंच गए। एयर इंडिया के विमान से चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे इन मछुआरों का मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों ने स्वागत किया और उन्हें उनके मूल निवास तक पहुंचाने की व्यवस्था की।

कांग्रेस को उसके ...

बल्कि भव्य मंदिर में नजर आएंगे। सिर्फ रामटेक ही नहीं बल्कि पूरे देश में खुशी का माहौल है। इंडी अघाड़ी सनातन धर्म की आलोचना करती है। वे समाज में विद्वेष पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने ओबीसी समुदाय को विकास के रास्ते पर नहीं लाया। मोदी ने आलोचनात्मक लहजे में कहा कि इंडी अघाड़ी को उनके पाप की सजा मिलनी चाहिए। वहीं कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी ने कहा कि लाठी मारने से पानी का बंटवारा नहीं होता। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं दिया। कांग्रेस ने पिछड़े वर्ग को विकास से दूर रखा। देश में पहली बार कोई आदिवासी महिला देश की राष्ट्रपति बनी। कांग्रेस ने पूरा संविधान लागू क्यों नहीं किया। अनुच्छेद 370 रद्द क्यों नहीं किया गया? यह कहते हुए मोदी ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की है। महाराष्ट्र में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। शिंदे, अजित और देवेंद्र अच्छा कर रहे हैं। मोदी ने यह भी कहा कि पानी की समस्या के साथ-साथ कई सुविधाओं का समाधान भी उचित तरीके से किया गया। आपका सपना मोदी की संकल्पना है। नितिन गडकरी ने भरोसा जताया है कि विदर्भ में भाजपा 10 की 10 सीटें जीतेगी। भाजपा के लिए संविधान पवित्र है. सरकार जाति, धर्म, संप्रदाय के आधार पर फैसले नहीं लेती। कांग्रेस ने 60 साल में जो किया वह भाजपा सरकार ने पिछले दस सालों में किया है। मोदी के नेतृत्व में अच्छा काम हुआ है। मोदी के राज में देश का चेहरा बदल गया है। गडकरी ने यह भी आलोचना की है कि कांग्रेस ने संविधान तोड़ने का पाप किया है।

मस्जिदों के अंदर ...

चाहिए। मिली-जुली आबादी के स्थानों पर मस्जिद के अंदर ही नमाज पढ़ने की व्यवस्था करनी चाहिए। अधिक नमाजी होने के कारण एक से अधिक जमात करना बेहतर है। याद रहे कि हर नई जमात का इमाम अलग होना चाहिए। शाही इमाम ने कहा कि ईद की नमाज सद्भावना के माहौल में अदा की जानी चाहिए। ईद की आध्यात्मिक गरिमा बनाए रखने के लिए हम सब को मिल-जुल कर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने अंत में सभी देशवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद पेश की है।

मणिपुर का बंटवारा...

का बंटवारा नहीं होने दिया जाएगा। हम ऐसे ही सदियों से रह रहे हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस और जर्मनी में युद्ध हुआ था, लेकिन आज दोनों करीबी सहयोगी हैं। बसंत सिंह ने कहा कि लोग यह बात स्वीकार करते हैं कि अगर मणिपुर शांति की राह पर आगे बढेगा तो सिर्फ भाजपा ही उसे यह राह दे सकती है। कांग्रेस बुरी तरह असफल रही है। मणिपुर में जब 15 साल कांग्रेस की सरकार रही, तब भी कई अप्राकृतिक मौतें हुईं। 1800 से ज्यादा मामलों की अब जांच चल रही है। बसंत सिंह मैतेई वर्ग के हैं भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी हैं। उनके पिता थौनाओजम चौबा सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे हैं। अभी बसंत सिंह राज्य के विष्णुपुर जिले की नामबोल सीट से विधायक हैं। विपक्ष, भाजपा सरकार पर मणिपुर संकट को ठीक तरह से हैंडल न करने का आरोप लगाता है। इन आरोपों पर बसंत सिंह ने कहा कि सरकार ने समय से मणिपुर में हस्तक्षेप किया, जिसकी वजह से राज्य में हालात बेहतर हुए हैं और जनता भी ये बात जानती है। हमारी प्राथमिकता राज्य में शांति स्थापित करना है। भाजपा मणिपुर की अंदरुनी इंफाल सीट से चुनाव लड़ रही है, लेकिन पार्टी ने बाहरी मणिपुर सीट पर अपनी सहयोगी पार्टी नगा पीपल्स फ्रंट को समर्थन दिया है।

दुर्ग बस हादसे में ...

मौत हो गई है जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है। इसी फैक्टरी प्रबंधन ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के आश्रितों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा और हर मृतक के परिवार के एक सदस्य को कंपनी में नौकरी देने की भी बात कही है। जिला प्रशासन की ओर से अंतिम संस्कार के लिए 25 हजार दिए गए हैं। कंपनी प्रबंधन ने हादसे में 13 लोगों की मौत होने की पुष्टि है। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कुम्हारी बस हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश देते हुए कहा कि जो भी जिम्मेदार लोग दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। पूरी जांच के बाद समिति अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। घटना के बाद जिस तरह घायलों और कुम्हारी के लोगों के बयान सामने आए हैं, जिनके अनुसार बस की फिटनेस, खदान को खुला छोड़े जाने, खराब सड़क और कंपनी की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने की बातें सामने आ रही हैं। जिला प्रशासन ने परिजनों को विश्वास दिलाया है कि हादसे की निष्पक्ष जांच होगी। इस हादसे की जांच के लिए स्थानीय कार्यपालिका मजिस्ट्रेट छत्तीसगढ़ डिस्टीलिरीज कंपनी पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी जांच शुरू कर दी है। इंटर स्टेट डिपार्टमेंट लीड एजेंसी रोड सेफ्टी छग के चेयरमैन एआईजी ट्रैफिक संजय शर्मा और उनकी टीम भी मौके पर पहुंच की हादसे की जांच शुरू कर दी है। यह टीम बस की स्थिति लापरवाही, मानवीय त्रुटि समेत कई बिंदुओं पर जांच करेगी। इस दुर्घटना में अभी तक जिन मृतकों की शिनाख्त की गई है, उनमें कौशल्या निषाद, राजू ठाकुर, त्रिभुवन पांडेय, मनोज ध्रुव, मिकू भाई पटेल, कृष्णा, राम बिहारी यादव, कमलेश देशलहरे, परमानंद तिवारी, पुष्पा देवी पटेल, शांति बाई देवांगन और अमित सिन्हा शामिल हैं।

घर-घर चुनाव...

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा की और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी में महिला विरोधी राजनेताओं की कमी नहीं है। यदि आपने अभी जो देखा उस पर आपको विश्वास नहीं हो रहा है, तो आइए हम स्पष्ट करें। हां, यह भाजपा सांसद और मालदा उत्तर से उम्मीदवार ञ्च खगेनट्ठमुर्मू हैं जो अपने प्रचार अभियान के दौरान अपनी मर्जी से एक महिला को चूम रहे हैं। महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने वाले सांसदों से लेकर बंगाली महिलाओं के बारे में अश्लील गाने बनाने वाले नेताओं तक, भाजपा खेमे में महिला विरोधी राजनेताओं की कोई कमी नहीं है। इस तरह नारी का सम्मान में जुटा मोदी का परिवार! कल्पना कीजिए कि अगर वे सत्ता में आए तो वे क्या करेंगे, पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा। तस्वीर में दिख रही महिला ने कहा कि अगर भाजपा सांसद जैसा *पितातुल्य* व्यक्ति उसके गालों पर चुंबन करता है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने घटना के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा कि मेरे पिता और मां भी वहां मौजूद थे। उसने उनके सामने ही मुझे किस किया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। क्यों वायरल हो रही है तस्वीर। यह सही नहीं है।

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति ने ...

भारतीयों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि रमजान के पवित्र माह के दौरान कठोर उपवास के बाद मनाया जाने वाला यह त्योहार आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। एकता और सद्भाव बढ़ाने वाला यह पर्व हमें क्षमा और दान करने की शिक्षा भी देता है। ईद गरीबों और बेसहारा लोगों की मदद करने और उनके साथ खुशियां बांटने का अवसर है। यह त्योहार हमें शांतिपूर्ण जीवन जीने तथा समाज की खुशहाली और समृद्धि के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आइए ईद के पवित्र त्योहार पर प्रेम, करुणा और परोपकार के मानवीय आदर्शों का प्रसार करें। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ईद-उल-फितर के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। पवित्र माह रमज़ान की समाप्ति पर मनाए जाने वाली ईद-उल-फितर का सांस्कृतिक रूप से विशेष महत्व है। कृतज्ञता और भाईचारे की भावना के प्रतीक इस त्योहार के केंद्र में करुणा, उदारता और एकता के मूल्य स्थापित हैं, जो हमारे विविधतापूर्ण राष्ट्र की मूल भावना को परिलक्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी कामना है कि ईद का यह पावन अवसर सभी के जीवन में हर्षोल्लास, परिपूर्णता और शुभाशीष लेकर आए।

कामरूप (मेट्रो) जिला विकास आयुक्त की मासिक समीक्षा बैठक

कामरूप (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिले में सरकारी विभागों के तहत क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं की गतिविधियों के विवरण पर मासिक समीक्षा बैठक बुधवार को जिला आयुक्त के कार्यालय बैठक कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने की। इसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में जिला आयुक्त ने सहभागी अधिकारियों को सरकारी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने की सलाह दी। उन्होंने समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर भी विशेष जोर दिया। भाग लेने वाले विभाग पावर प्वाइंट प्रस्तुति विधि के माध्यम से अपने संबंधित विभागों की सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की। इस अवसर पर कामरूप (मेट्रो) जिला के विकास आयुक्त पारिजात भुइयां भी उपस्थित थे और उन्होंने अधिकारियों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया।

लोकसभा चुनाव : कांग्रेस के कटे हाथ के साथ मुसलमान नहीं : दिलीप सैकिया

दरंग (हिंस)। दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दिलीप सैकिया ने कहा है कि अब मुस्लिम समाज के लोग कांग्रेस के कटे हुए हाथ के साथ नहीं हैं। इस समाज के लोगों ने देख लिया है कि इतने लंबे समय के शासनकाल में कांग्रेस ने सिर्फ लोगों को ठगा है। निवर्तमान सांसद सैकिया यहां एक चुनावी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। भाजपा के समर्थन में आए क्षेत्र के मुसलमानों के विरुद्ध ऑल असम इस्लामिक रिसर्च सेंटर नामक एक संगठन द्वारा जारी किए गए फतवा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सांसद सैकिया ने कहा कि इस संगठन का आज तक नाम ही नहीं सुना है। टीवी चैनल के सामने फतवा जारी करने से कुछ नहीं होता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक इसी प्रकार मुस्लिम समाज के लोगों को प्रताड़ित किया जाता रहा है। लोगों ने महसूस किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही सबकी भलाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करती है, इसीलिए पार्टी किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। यही वजह है कि आज

मुस्लिम समाज के लोग भी भाजपा के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। सैकिया ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में जिस गति से विकास के कार्य हुए हैं ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। लोगों ने इसे खुली आंखों से देखा है। भाजपा के इन कार्यों के कारण ही आज विपक्षी दल कांग्रेस का पूरी तरह सफाया हो गया है। इस दौरान सांसद सैकिया ने पत्रकारों के कई अन्य सवालों के भी उत्तर दिए।

हेरोइन के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। असम पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार को एसटीएफ, असम द्वारा राजधानी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के खानापाड़ा फ्लाईओवर के नीचे की गई छापामारी में एक महिला समेत दो तस्करों को पकड़ा गया। उनके पास से 55 शीशी हेरोइन (75.5ग्राम), सात निट्राजेपाम टैबलेट, पांच खाली शीशियां तथा चार सौ रुपए नकद बरामद किए गए। पकड़े गए लोगों की पहचान सुनीता बसुमतारी (19) तथा मो सनिदुल अली (19) के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

फकीराग्राम : इफ्तार पार्टी में बीपीएफ के लोस उम्मीदवार खांफा बरगयारी ने लिया

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम जामा मस्जिद में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस इफ्तार पार्टी में बीपीएफ के एक नंबर कोकराझाड़ लोकसभा सीट के उम्मीदवार खांफा बोरगोयारी शामिल हुए ओर इस्लाम धर्मावलंबियों के साथ इफ्तार किए। साथ ही उन्होंने इस मौके पर बीटीआर सहित पूरे राज्यवासियों को ईद की मुबारक बाद दी। इफ्तार कार्यक्रम फकीराग्राम के बीपीएफ नेता बिजय तिवारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एक किलो हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में एक किलोग्राम हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। असम पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ, असम द्वारा राजधानी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के रूपकोंवर पथ में छापेमारी की गई, जिसमें तीन लोगों को पकड़ा गया। इसके अलावा उक्त छापेमारी में एक प्लास्टिक पैकेट बरामद किया गया, जिसमें एक किलोग्राम संदिग्ध शुद्ध हेरोइन तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। पकड़े गए लोगों की पहचान सुमन तालुकदार (32), औदुलोमी ग्यारी (35) और नेरसिंग बसुमतारी (57) के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

कामरूप जिले में 17 से 19 अप्रैल तक ड्राइ डे की घोषणै

रंगिया (विभास)। पड़ोसी राज्य मेघालय में आगामी 19 अप्रैल को आयोजित होने वाले पहले चरण के लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर कामरूप जिले की जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मद्देनजर 17 अप्रैल को शाम 4 बजे से 19 अप्रैल को मतदान समाप्त होने तक कामरूप जिले में ड्राई दे घोषित किया है। इस अवधि के दौरान कामरूप जिले में सभी बनडेड वेयर हाउस, आईएमएफएल खुदरा *ऑफ* और *ऑन* दुकानें और स्वदेशी शराब की दुकानें बंद रहेंगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135 (सी) और असम आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

नागरकोविल जंक्शन और डिब्रूगढ़ के बीच चलेंगी दो सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

श्रीगंगानगर और गुवाहाटी के बीच एक और अतिरिक्त वन-वे स्पेशल ट्रेन चलेगी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए नागरकोविल जं.-डिब्रूगढ़-नागरकोविल जं. के बीच दो पाक्षिक ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेनों के परिचालन करने का निर्णय लिया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने बुधवार को बताया है कि ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन संख्या 06103/06104 (नागरकोविल जं.- डिब्रूगढ़-नागरकोविल जं.) और ट्रेन संख्या 06105/06106 (नागरकोविल जं.-डिब्रूगढ़-नागरकोविल जं.) दोनों दिशाओं में आठ-आठ ट्रिपों के लिए चलेगी। इसके अलावा, रेलवे ने 21 अप्रैल को एक वन-वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है, जो श्रीगंगानगर-गुवाहाटी के बीच एक तरफा होगी। यह ट्रेनें पूर्वोत्तर और उत्तर बंगाल की प्रतीक्षा सूची वाले

यात्रियों की सुविधा के लिए चलाई जाएंगी, जिन्होंने दक्षिण भारत की ओर यात्रा करने की योजना बनाई है। उन्होंने बताया है कि ट्रेन संख्या 06103 (नागरकोविल जं.-डिब्रूगढ़) ग्रीष्मकालीन स्पेशल 12, 26 अप्रैल और 10 एवं 24 मई (शुक्रवार) को नागरकोविल जं. से 17:45 बजे रवाना होकर सोमवार को डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 06104 (डिब्रूगढ़-नागरकोविल जं.) ग्रीष्मकालीन स्पेशल 17 अप्रैल, 01, 15, 29 मई (बुधवार) को डिब्रूगढ़ से 19.55 बजे रवाना होकर शनिवार को नागरकोविल जं. 21.30 बजे पहुंचेगी। इन ट्रेनों में यात्रियों के लिए एसी-3 टियर, एसी-3 टियर इकोनॉमी क्लास, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच की व्यवस्था होगी। ट्रेन संख्या 06105 (नागरकोविल जं.- डिब्रूगढ़) ग्रीष्मकालीन स्पेशल 19 अप्रैल, 03, 17 और 31 मई (शुक्रवार) को नागरकोविल जं. से 17:45 बजे रवाना होकर सोमवार को डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06106 (डिब्रूगढ़-नागरकोविल जं.) ग्रीष्मकालीन स्पेशल 24 अप्रैल, 08, 22 मई और 05 जून (बुधवार) को डिब्रूगढ़ से 19:55 बजे रवाना होकर शनिवार को नागरकोविल जं. 21:30 बजे पहुंचेगी। इन ट्रेनों में यात्रियों के लिए एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास की व्यवस्था होगी। ये ट्रेनें वाया मरियानी जंक्शन, डिमापुर, लमडिंग जंक्शन, ग्वालपाड़ा टाउन, कोकराझार, न्यू कोचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, मालदा टाउन, बर्द्धमान जंक्शन, खड़गपुर जंक्शन, भुवनेश्वर, विजयनगरम जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, नेल्लूर, कोयंबत्तूर जंक्शन, एरणाकुलम टाउन और तिरूवनंतपुरम सेंट्रल आदि होकर चलेगी। इसके अलावा, वन-वे स्पेशल ट्रेन संख्या 04717 (श्रीगंगानगर-गुवाहाटी) 21 अप्रैल (रविवार) को श्रीगंगानगर से 13:55 बजे रवाना होकर 24 अप्रैल (बुधवार) को गुवाहाटी 04:50 बजे पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन वाया श्री करनपुर, बीकानेर, रतनगढ़, जयपुर, आगरा छावनी, लखनऊ, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर, बेगुसराय, कटिहार, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू बंगाईगांव, ग्वालपाड़ा टाउन और कामाख्या आदि होकर चलेगी।

दो ई-रिक्शा की भिड़ंत में दोनों चालक गंभीर रूप से घायल

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के आलोपतिचर थाना अंतर्गत आलोपति फकीरपाड़ा में दो ई-रिक्शा आमने-सामने की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पता चला है कि आलोपति फकीरपाड़ा पक्की रोड पर आज सुबह दो ई-रिक्शा आमने-सामने की टक्कर से एक बड़ा हादसा हो गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक आयनाल हक (55) और रहीजुद्दीन (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद दोनों घायलों को बाघमाराचर में प्राथमिक उपचार ले जाया गया, लेकिन रहीजुद्दीन की हालत गंभीर हो गई और उसे बेहतर इलाज के लिए ग्वालपाड़ा रेफर कर दिया गया। इस बीच आलोपति की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है और इसकी जांच शुरू कर दी। गौरतलब है कि दक्षिण बरपेटा के चर इलाकों में ई-रिक्शा की फायरिंग से आम जनता तंग आ चुकी है। स्थानीय लोगों में गंभीर आरोप लग रहे हैं कि हादसा हुआ है। लोगों ने यह भी मांग की है कि पुलिस प्रशासन जल्द से जल्द ई-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई करे।

होजाई के कृष्णानगर स्थित मदन गोपाल मंदिर में चैत्र नवरात्र का आयोजन

होजाई (विभास)। प्रत्येक वर्ष की भांति, होजाई के कृष्णानगर के एसके देव रॉय रोड स्थित मदन गोपाल मंदिर में चैत्र नवरात्र का भव्य आयोजन किया गया है। मंदिर के पुरोहित पंडित ब्रजभूषण भट्टाचार्य (शास्त्री) ने जानकारी देते हुए बताया चैत्र नवरात्र के दौरान प्रातः मंगला आरती, 8 बजे से श्रृंगार, दुर्गापाठ, दोपहर 12 बजे आरती के पश्चात मां को भोग लगाया जाएगा। तत्पश्चात अपराह्न 4 बजे भोग, सायं 6 बजे से 7.30 बजे तक भजन-कीर्तन, रात्रि 8 बजे आरती के पश्चात पुनः भोग अर्पण किया जाएगा। नवमी के दिन हवन किया जाएगा। इस दौरान मां का दरबार फूलो से सजाया गया है। ब्रजभूषण शास्त्री आगे कहते हैं कि विश्व शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा करनी चाहिऐ, मां ही जग-जननी महामाया है और मां की कृपा जब भक्तों पर होती है तो भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती है इसलिए सभी को मां दुर्गा की पूजा उपासना करनी चाहिए। उन्होंने भक्तों से निवेदन किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधार कर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर मां का आशीर्वाद ग्रहण कर पुण्य के भागी बने। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि नवरात्र में कुंवारी कन्या भोजन का बड़ा महत्व है, भक्त यहां मां के दरबार में आकर कन्या भोजन करवाते है।।

कामरूप जिले में पोस्टल बैलेट मतदान कार्यक्रम की घोषणा

रंगिया (विभास)। कामरूप चुनाव जिले के पोस्टल बेलेट सेल द्वारा भारत के चुनाव आयोग के निर्देशानुसार आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव के प्रभारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पोस्टल बेलेट की व्यवस्था ग्रहण की हैं। तदनुसार, चुनाव के प्रभारी अधिकारी राज्य में पहले चरण के चुनाव के लिए 12 अप्रैल, दूसरे चरण के लिए 19 अप्रैल और तीसरे चरण के लिए 22 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच कामरूप जिले के एकीकृत आयुक्त कार्यालय के भूतल स्थित पोस्टल बेलेट और ईटीपीबीएस सेल से पोस्टल बेलेट के लिए निर्धारित 12 नंबर प्र-पत्र संग्रह कर सकते है। फॉर्म जमा करने के बाद अधिकारी और कर्मचारी चुनाव के पहले चरण में 14 अप्रैल से 18 अप्रैल तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच और दूसरे चरण के चुनाव में 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के बीच जिला आयुक्त कार्यालय के भूतल पर स्थित वोटर बेलेट सेल में अपना वोट डाल सकते हैं। इसी प्रकार चुनाव प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारी 26 अप्रैल से 6 मई तक प्रशिक्षण स्थल लोक स्थित सार्वजनिक सेवा केंद्र पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक वोट डाल सकेंगे। जिला विकास आयुक्त एवं पोस्टल बैलेट सेल के नोडल पदाधिकारी सुशांत कुमार दत्ता द्वारा बताया गया है कि प्रथम चरण के प्रशिक्षण के दौरान चुनाव प्रभारी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच 12 नंबर फॉर्म वितरित कर दिया गया है। जो अधिकारी और कर्मचारी चुनाव के तीसरे चरण में मतदान करने के लिए पात्र हैं, वे प्रशिक्षण के दूसरे चरण के दौरान असाइनमेंट के निर्देशों और फोटोग्राफिक मतदाता पहचान पत्र की प्रति के साथ पूरा फॉर्म नंबर 12 जमा कर सकते हैं। पहले और दूसरे चरण के चुनाव में मतदान करने वालों के लिए एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के भूतल पर पोस्टल बेलेट कक्ष में लोक सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

मॉडर्न इंग्लिश स्कूल में धूमधाम से मनाया गया प्री-बोहाग बिहू

गुवाहाटी। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा ने 10 अप्रैल को अपने परिसर के अंदर प्री-बोहाग बिहू मनाया। यह कार्यक्रम सामूहिक बिहू नृत्य की लयबद्धता, प्रतिभाशाली छात्रों द्वारा प्रस्तुत बिहू सुरों के सौहार्दपूर्ण माहौल और स्कूल निदेशक और छात्रों के प्रेरणादायक भाषणों के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक खूबसूरत बिहू प्रदर्शनी बोर्ड का अनावरण था, जिसने असमिया त्योहार की विशाल विरासत को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में असमिया परंपरा के सार को शामिल किया गया और छात्रों के बीच विविधता में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला गया। इस सांस्कृतिक प्रबंधन के माध्यम से, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल विशाल और स्वर्णिम असमिया विरासत की सराहना करते हुए हमारे समाज में प्रचलित समावेशिता को बढ़ावा देता है। इस तरह के आयोजन सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने और छात्रों के बीच अपनी संस्कृति को अपनाने के लिए अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की अथक प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में काम करते हैं।

रंगिया : ईद की खरीददारी में उमड़ी जनता की भीड़, ट्रैफिक जाम कंट्रोल करने में नाकाम रही पुलिस

रंगिया। रंगिया पुलिस पर घोर नाकामी का आरोप उभर कर सामने आया है। लोगो ने ईद के बाजार में बढ़ी भीड़ को काबू नहीं कर सकने के कारण उक्त आरोफ लगाया है। खाशकर रंगिया ट्रैफिक पुलिस की लापरवाही के कारण रंगिया शहर में दिन-प्रतिदिन ट्रैफिक जाम बढ़ता जा रहा है। विशेष रूप से रंगिया शहर के दाईं ओर से गुजरने वाले एनटी रोड पर एक गंभीर ट्रैफिक जाम बना रहता है। इसके अलावा अन्य मुख्य मार्गों के जाम रहने से आम जनता को परेशानी होती रहती है। मालुम हो कि पहले भी कई बार इस तरह की खबरें प्रसारित हो चुकी हैं लेकिन खबर प्रसारित होने के बाद पुलिस खुद को *सुपर एक्टिव* दिखाने के लिए सिर्फ जुर्माना काटने में जुट जाती है। नतीजतन आम लोग स्वयं को असहाय महसूस करते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रैफिक जाम में रंगिया पुलिस की गाड़ियों को भी काफी देर तक इंतजार करना पड़ा है। इसी बीच ईद के बाद असमिया के बापती महापर्व रंगाली बिहू की खरीदारी आरंभ हो जाएगी। बिल्कुल ऐसी ही भीढ़ रंगिया में पूनः देखने को मिल सकती है। अब सवाल यह है कि अगर रंगिया ट्रैफिक पुलिस अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन नहीं करती है तो आम जनता को अधिक उत्पीड़न का सामना करना ही पड़ेगा। जागरूक लोगो ने रंगिया पुलिस से आग्रह किया है कि केवल जुर्माना ठोकना या लाठी के हड़काने से ही सभी समस्या का समाधान नहीं होता है, हम यदि सठिक कर्तव्य का पालन करेंगे तो समस्या स्वतः ठीक भी हो सकती है।

पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का 7वां स्थापना दिवस आयोजित

कार्यक्रम में पूर्वाशा पत्रिका का हुआ भव्य विमोचन

जोरहाट/ विश्वनाथ (विभास)। असम में हिंदी साहित्य तथा हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्वाशा अकादमी ने 9 अप्रैल को जोरहाट के क्लबवे ग्रैंड होटल में अपना सातवां प्रतिष्ठा दिवस तथा सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम अकादमी की वरिष्ठ सदस्य विमला शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कार्यक्रम के संचालन का भार जिमी मोदी को सौंपा। आदरणीया जिमी मोदी द्वारा सभी पदाधिकारियों व अतिथियों को मंच पर आमंत्रित किया गया। अध्यक्ष व सचिव द्वारा आसन ग्रहण करने के पश्चात मुख्य वक्ता अजय कुमार, विशिष्ट अतिथि डॉ. शहनाज अहमद और मुख्य अतिथि श्रीमती जयश्री सैकिया द्वारा आसन ग्रहण किया गया। दीप प्रज्ज्वलन तथा गणेश वंदना व सरस्वती वंदना के पश्चात कार्यक्रम की शुरुआत हुई। संरक्षकों व अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत करने के पश्चात उपस्थित सभी व्यक्तियों ने आत्म परिचय दिया। इसके पश्चात पूर्वाशा के अध्यक्षा रूनू बरुवा द्वारा स्वागत भाषण व संबोधन प्रस्तुत हुआ। उपाध्यक्ष ममता

गिनोरिया द्वारा सभा का उद्देश्य व्याख्यान प्रस्तुत किया गया और सचिव जयश्री शर्मा ने सचिव की रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष जिमी मोदी ने इस वर्ष की आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता निस्ट के अजय कुमार, विशिष्ट अतिथि डॉ. शहनाज अहमद तथा मुख्य अतिथि जयश्री सैकिया ने सभा को संबोधित किया। सभी ने हिंदी भाषा के प्रचार व प्रसार पर जोर दिया तथा सदैव इस कार्य में सहयोग देने का आश्वासन दिया। तत्पश्चात पूर्वाशा की वार्षिक पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया तथा आजीवन सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके बाद संरक्षक एनसी करनानी, रीता सिंह, सुमन शर्मा, पिंकी बजाज और सुरथ सैकिया ने अपने व्यक्तव्य प्रस्तुत किए। पिंकी व सूरथ सैकिया ने काव्य पाठ भी किया। सभा के अंत में जयश्री शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत हुआ। दोपहर का भोजन आ. रूनु बरुवा द्वारा उन्हें उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान की ओर से पुरस्कृत होने के उपलक्ष में आयोजित किया गया। अकादमी के सदस्यों द्वारा रूनु को उपहार भेंट करने के पश्चात राष्ट्रीय गान गा कर सभा समाप्ति की घोषणा हुई। केक काटने के पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। इस तरह स्थापना दिवस का यह भव्य समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संपादकीय

किसके हाथ, किसका खून

चुनाव में हिमाचली चरित्र फिर फंसा- फिर धंसा नजर आ रहा है, तो इसकी वजह छोटे राज्य की तासीर में पार्टियों के नेतृत्व में आ रहा खोट है। इस बार चरित्र का नया जाल बुनकर राजनीति कुछ गुनाह कर चुकी है और कई चुनावों की ओट में चल रहे हैं। यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच भी संगठन की चारित्रिक पृष्ठभूमि का अंतर स्पष्ट है। बेशक भाजपा के हाथ कांग्रेस के खून से रंगे देखे जा सकते हैं, लेकिन जब घाव ही खुद किए हों तो लहू का रिसना कत्ल नहीं। सत्ता का चरित्र हिमाचल के आचरण से कहीं भिन्न होता जा रहा है, यह हम पिछली कुछ सरकारों के दौर से निरंतर देख रहे हैं, लेकिन इस बार बेडियां पहनाकर कत्ल हुए जिसकी जागीर में, वही कह रहा कि कानून को लूट लिया लुटेरों ने। सरकार के कठघरे में पहली बार कांग्रेस के ही बीज नजर आए, जो अब उगे तो खड़पतवार बन गए। सवाल छह विधायकों की जमीर का हमेशा रहेगा, इसलिए खरीद-फरोख्त की तोहमतें उछल रही हैं। हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे। दूसरी ओर पंद्रह करोड़ की राशि से अगर कोई विधायक बिक सकता है, तो यह वक्तव्य आगे चलकर घमासान मचा सकता है। इसे साबित करने की नौबत दिखाई देती है। क्या इन्हीं मुद्दों पर हिमाचल अब आगे बढ़ेगा या यह मान लिया जाए कि सियासत में यही चलेगा। कम से कम प्रचार के पहले चरण में ही कांग्रेस की धमाकेदार एंट्री के बावजूद कहीं जख्म रिस रहे हैं। दर्द छह विधायक खोने का न भी हो, उपचुनावों में ताली बजाने का भी हो सकता है। आश्चर्य यह कि पक्ष का पहला विरोधी पक्ष कभी पार्टी के जिगर में तो रहा ही है। कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते छह विधायकों को कोस कर पार्टी कम से कम भाजपा को तो नहीं कोस रही। प्रहार का सारा मैदान अगर छह बागियों के चक्कर में खत्म हो गया, तो भाजपा 'तेरी खैर नहीं' कब कहा जाएगा। जो भी हो जनता में राजनीतिक घटनाक्रम से खिन्नता जरूर बढ़ रही है। अगर सरकार साबित कर दे कि 15 करोड़ में कोई बंदा बिका है, तो जनता की सजा तय है, लेकिन दूसरी ओर अदालती पचड़ों में बात आगे बढ़ती है, तो भी राज्य को झेलना पड़ेगा। दोनों ही परिस्थितियों में राज्य का चरित्र चौराहे पर है और आम नागरिक अपने ही मत पर अविश्वास प्रकट कर सकता है। जनता ने इसलिए कांग्रेस को जनादेश नहीं दिया था कि चरित्रहनन की तोहमतें उसे परेशान करें, बल्कि बदलाव, नए प्रयोग, सुशासन, चारित्रिक आश्वासन और सुखद भविष्य के लिए सत्ता पार्टी को सौंपी थी। जनादेश की प्रतिबद्धता यह छूट नहीं देती कि सत्ता से कुछ लोगों को खारिज करके शाबाशी ली जाए या एक दूसरे के ऊपर अंगुली उठाकर मनोरंजन किया जाए। हिमाचल आहत है कि कांग्रेस का बेपर्दा आचरण भ्रम पैदा कर रहा है। राजनीति में देवता तो आएंगे नहीं, लेकिन दायित्व भी अगर सूली पर टंगा नजर आए, तो किसके भरोसे राज्य की तस्वीर बदलेगी। हमें नहीं मालूम कौन बिका, कितने का बिका और किसलिए बिका, लेकिन कांग्रेस के भीतर आरपार की लड़ाई का हर तर्क परेशान करता है। हिमाचली संघर्ष हमेशा केंद्र की परिपाटी में अपना पसीना देखता है, लेकिन यहां तो खुद ही खरी खोटी सुनाने पर आमदा सियासत यह बता रही है कि हम सियासत के कुएं को बेहद गंदा कर चुके हैं। निर्लज्जता से भरा घटनाक्रम और कितना नीचे गिरेगा, अब यही सवाल प्रत्येक हिमाचली के दर्पण पर खड़ा है। गिरने की कोई सीमा नहीं और यह धीरे-धीरे साबित होने लगा है।

> हिमाचल सरकार के दावे को मानें तो आरोप यह है कि पूर्व कांग्रेसी विधायकों को भाजपा ने छीना नहीं, खरीदा है। खरीद की दरों पर सियासत का चरित्र भले ही आकर्षित करे, मगर आम हिमाचली की निगाह में यह चुनाव को पसोपेश में डाल सकता है। मुख्यमंत्री ने बाकायदा विधायकों की बिक्री का हिसाब बताना शुरू किया है, तो ये आंकड़े, भ्रष्टाचार में आकंठ डूबने के संकेत हैं। इन विधायकों का सरगना सुधीर शर्मा बताया जा रहा है, तो मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस के जरिए बांधने की कोशिश भी शुरू हुई है। अब कांग्रेस से छिटक कर जो पूर्व विधायक भाजपा की शरण में आए हैं वह आरोपों का छिडक़ाव कर रहे हैं। यानी यह घर के भेदी भी हैं और लंका दहन की सामग्री भी। ये लांछन जितना आगे बढ़ेंगे, कांग्रेस पर दोनों तरफ से प्रश्नचिन्ह लगेंगे।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया

नकली दवाओं से जीवन-रक्षा पर बढ़ते खतरे

ललित गर्ग

> भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दाफाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

दवाओं में मिलावट एवं नकली दवाओं का व्यापार ऐसा कुत्सित एवं अमानवीय कृत है जिससे मानव जीवन खतरे में हैं। विडम्बना है कि दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए गुणवत्ता नियंत्रण का कोई नियम नहीं है और स्वयं कंपनियां ही अपनी दवाओं की गुणवत्ता का सत्यापन करती हैं। यह ठीक नहीं और ऐसे समय तो बिल्कुल भी नहीं, जब दवाओं की गुणवत्ता को लेकर दुनिया भर में जागरूकता बढ़ रही है। चूंकि भारत एक बड़ा दवा निर्यातक देश है और उसे विश्व का औषधि कारखाना कहा जाता है, दुनियाभर में भारत की दवाओं का निर्यात होता है, ऐसे समय में बार-बार नकली दवाओं का भंडाफोड़ होना या कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली दवाओं का व्यापार करने वालो का पर्दाफाश होना, न केवल चिन्ता का विषय है, बल्कि एक जघन्य अपराध है। यह भारत की साख को भी आहत करता है। इसलिए सरकार के लिए यह आवश्यक है कि वह दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल का कोई भरोसेमंद नियम बनाए एवं नकली दवाओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। कुछ दिन पहले ही कैंसर जैसी असाध्य बीमारी की नकली एलोपैथिक दवाओं की फैक्टरियां गाजियाबाद से हैदराबाद तक पकड़ी गईं? हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 से अधिक नकली या मिलावटी आयुर्वेदिक दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कैंसर से जुड़े नकली दवाओं के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सुप्रीम कोर्ट में स्वामी रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ दायर भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की याचिका की सुनवाई करते हुए सख्त नाराजगी जाहिर की है। समय आ गया है, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण से जुड़ी कंपनियों की दवा परीक्षण-प्रणाली की ठोस निगरानी सुनिश्चित की जाए। यह आवश्यक है कि दवा कंपनियों के लिए क्वालिटी कंट्रोल के भरोसेमंद एवं सख्त नियम बनाए जाये। इन नियमों के दायरे में निर्यात होने वाली दवाएं भी आनी चाहिए और देश में बिकने वाली दवाएं भी, क्योंकि जहां नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाएं निर्यात होने से भारत की प्रतिष्ठा धूमिल होती है, वहीं इनका उपयोग देश में होने से

लोगों का जीवन खतरे में आ जाता है। यह तय है कि हमारे देश में आयुर्वेद की बेहद समृद्ध चिकित्सा पद्धति है और करोड़ों लोग इस प्रणाली से लाभान्वित भी हुए हैं। इस बात से आधुनिक चिकित्सा पद्धति (एलोपैथी) या आईएमए का कोई झगड़ा या विरोध भी नहीं है, परेशानी प्रामाणिकता की कसौटी पर खरी आधुनिक चिकित्सा पद्धति को निराधार चुनौती देने और लोगों को गुमराह करने को लेकर है। इन दोनों पद्धतियों के पेशेवरों और दवाओं का अंतिम उद्देश्य मरीजों को स्वस्थ करना है। मगर दुर्योग से दोनों पद्धतियों में कुछ लोभी कारोबारी नकली दवाओं के जरिये बेबस लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। जीवन रक्षक दवाइयों के मामलों में दवा बदलने का मौका नहीं होता है, यहां मिलावट आपको सीधा मौत देती है। दवा व्यवसाय में चलने वाली यह अनैतिकता एवं अप्रामाणिकता बेचैन करने वाली है। मिलावट व्यवसाय की एक बड़ी विसंगति एवं त्रासदी है। दूध में जल, शुद्ध घी में वनस्पति घी अथवा चर्बी, महँगे और श्रेष्ठतर अन्नों में सस्ते और घटिया अन्नों आदि के मिश्रण को साधारणतः मिलावट या अपमिश्रण कहते हैं। किंतु मिश्रण के बिना भी शुद्ध खाद्य को विकृत अथवा हानिकर किया जा सकता है और उसके पौष्टिक मान-फूड वैल्यू को गिराया जा सकता है। दूध से मक्खन का कुछ अंश निकालकर उसे शुद्ध दूध के रूप में बेचना, अथवा एक बार प्रयुक्त चाय की साररहित पत्तियों को सुखाकर पुनः बेचना मिश्रणरहित अपद्रव्यीकरण के उदाहरण हैं। इसी प्रकार बिना किसी मिलावट के घटिया वस्तु को शुद्ध एवं विशेष गुणकारी घोषित कर झूठे दावे सहित आकर्षक नाम देकर, लुभावने विज्ञापनों से जनता को ठगा जाना अपराध है। पतंजलि आयुर्वेद संस्थान ऐसा ही करते हुए मोटा मुनाफा कमाता रहा है। दरअसल, पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों का पूरा मसला ही अपने आप में एक बड़ा मामला है, खासकर दवाओं के मामले में इसके परिणामों की प्रकृति इसे और गंभीर बना देती है। ऐसे में, अदालत ने केंद्र व राज्य सरकारों के रवैये पर भी गंभीर टिप्पणी की है, विडंबना यह है कि जिस आईएमए ने पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापन और इसके ऊंचे ओहदेदारों के बड़बोलेपन के खिलाफ अदालत की शरण ली है। लेकिन प्रश्न है कि आईएमए ऐसे कितने मामलों में ऐसी जागरूकता बरतती है। अदालत ने अपनी टिप्पणियों में एक बार फिर जता दिया है कि कोई कितना भी रसूखदार क्यों न हो, कानून की महिमा सबसे ऊपर है। दवा व्यवसाय में एक से बढ़कर एक घातक एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति सामने आ रही है। अब आयुर्वेदिक औषधियों को तत्काल राहत देने वाली बनाने के लिए एलोपैथी दवाओं के रसायनों को अवैज्ञानिक तरीके से मिलाने का खतरनाक कारोबार चर्चा में है, जो गंभीर चिंता का विषय बन रहा है। मध्यप्रदेश में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने राजधानी सहित आसपास के नगरों की दवा दुकानों पर छापा मारकर आठ करोड़ 23 लाख रुपये मूल्य की ऐसी आयुर्वेदिक दवाएं जब्त की हैं जिनके बारे में दावा किया जा रहा था कि इनमें रोगों से लड़ने की चमत्कारी शक्ति है। जांच में तथ्य सामने आये हैं कि आयुर्वेदिक दवा वताहारी वटी तथा चंदा वटी में एलोपैथी दवा डाइक्लोफेनिक व एसिक्लोफेनिक को मिलाकर अवैध फार्मूला विकसित किया गया है जिसे दवा विक्रेता जादुई बताकर देश के विभिन्न हिस्सों में बेच रहे थे। उक्त दोनों रसायनों का उपयोग एलोपैथी में दर्द निवारक के रूप में किया जाता है। चिकित्सकों के अनुसार इस फार्मूले का तात्कालिक प्रभाव भले ही चमत्कारी लगे किंतु दूरगामी परिणाम घातक हैं। इसका यकृत, गुर्दा तथा पेट के अन्य अंगों पर स्थाई दुष्प्रभाव हो सकता है। पिछले दिनों विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि एक जून से कफ सिरप निर्यातकों को विदेश भेजने के पहले अपने उत्पादों का निर्धारित सरकारी प्रयोगशालाओं में परीक्षण कराना आवश्यक होगा।

दृष्टि कोण

क्या केजरीवाल नैतिक आधार खो चुके हैं?

21 मार्च, 2024 को दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आर्थिक अपराधों के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली सरकार की शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसके बाद केजरीवाल को उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायिक कार्यालय से राहत नहीं मिली, और केजरीवाल ने सर्वोच्च न्यायालय से अपना आवेदन वापस लेने का फैसला किया, जिसके कारण वे ही जानते हैं। हालांकि, कांग्रेस पहले से केजरीवाल के कथित भ्रष्टाचार की आलोचना करती रही है, लेकिन अब उसने केजरीवाल का समर्थन करते हुए केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया है। चूंकि चुनाव नजदीक हैं और केजरीवाल एक महत्वपूर्ण नेता हैं, और उनकी पार्टी दो महत्वपूर्ण राज्यों में सत्ता में है, इसलिए उनकी गिरफ्तारी का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ गया है। कुछ लोग उनकी गिरफ्तारी को अनुचित मान सकते हैं और कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि इसका उल्टा असर मौजूदा केंद्र सरकार पर पड़ सकता है, क्योंकि केजरीवाल लोगों की सहानुभूति भी बटोर सकते हैं। लेकिन पहला सवाल यह है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी सही है? दूसरा सवाल यह है कि आखिर यह शराब नीति क्या है? क्यों इसके कारण पहले केजरीवाल के सिपहसालार मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल पहुंचे और अब खुद केजरीवाल। तीसरा सवाल यह है कि शराब नीति और इसके संचालन में भ्रष्टाचार के आरोप क्या सही हैं? चौथा सवाल यह है कि केजरीवाल अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी प्रयास के बावजूद आम जनता से सहानुभूति क्यों नहीं पा रहे हैं। इस लेख में केजरीवाल शराब नीति और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जा रही है। सबसे पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि उक्त शराब नीति को उसके अस्तित्व में आने के एक साल के भीतर ही न्यायपालिका या किसी केंद्रीय एजेंसी ने नहीं, बल्कि खुद केजरीवाल सरकार ने वापस ले लिया। तब से ही उक्त नीति की ईमानदारी पर संदेह हैं। यह शराब नीति क्या है : केजरीवाल शराब नीति लागू होने से पहले, सरकारी और निजी दुकानों पर खुदरा शराब बेची जाती थी। बेची जाने वाली शराब पर उत्पाद शुल्क और मूल्य वर्धित कर (वैट) वसूला जाता था। उल्लेखनीय है कि चूंकि राज्य सरकारों के आग्रह पर पेट्रोलियम उत्पादों, शराब और प्रसाधन सामग्री को जीएसटी से बाहर रखा गया था, इसलिए शराब पर उत्पाद शुल्क राज्य

सरकार, इस मामले में केजरीवाल सरकार का विषय है। केजरीवाल शराब नीति में, दिल्ली के क्षेत्रों को 32 क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था, जिसमें 8-10 वार्ड शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक में लगभग 27 दुकानों का प्रावधान रखा गया। इसका मतलब यह था कि प्रत्येक वार्ड में 2-3 शराब विक्रेता होंगे। नई आबकारी व्यवस्था में शहर के 32 क्षेत्रों में समान रूप से वितरित 849 विशाल और वातानुकूलित शराब की दुकानों की परिकल्पना की गई थी। केजरीवाल की शराब नीति को लाने के पीछे एक महत्वपूर्ण तर्क यह था कि इससे उपभोक्ताओं को लंबी कतारों में खड़े होने के संघर्ष के बिना, वातानुकूलित दुकानों में आसानी से 'शराब खरीदने का सुखद अनुभव' मिलेगा। शराब नीति को 32 जोनों के लाइसेंस की नीलामी से लगभग 10000 करोड़ रुपए की कुल आय की उम्मीद थी। यह पिछले 3 वर्षों के औसत राजस्व 5500 करोड़ रुपए से लगभग दोगुना माना जा रहा था। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल शराब नीति से पहले दिल्ली में 12 से 13 लाख बोतल शराब बिकती थी, जिस पर आबकारी शुल्क और वैट लगाया जाता था। जब केजरीवाल सरकार की शराब नीति पेश की गई तो आबकारी शुल्क और वैट घटाकर एक-एक प्रतिशत कर दिया गया और इसकी जगह लाइसेंस की नीलामी की गई और जिन विक्रेताओं को लाइसेंस दिए गए थे, वे शराब की कितनी भी बोतलें बेचने के लिए स्वतंत्र थे। इससे शराब की बिक्री में तेजी आने लगी और उपभोक्ताओं को सुखद अनुभव देने के लिए मॉल्स में अधिक दुकानें भी खोली जाने लगीं। थोक विक्रेताओं का विवादास्पद लाइसेंस और कमीशन : केजरीवाल शराब नीति के साथ-साथ एक और नीति भी शुरू की गई, जो स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थी, जिसमें पूर्व में सिर्फ 5 प्रतिशत की तुलना में थोक विक्रेताओं को 12 प्रतिशत कमीशन की अनुमति दी गई।

कुछ अलग

इतिहास के गुमनाम नायक

वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया के साहस की प्रशंसा का गीत है : 'किला पठानिया खूब लधाय्या, बल्ली पठानिया खूब लधाय्या, डाली दिया धारा दफाली जो बजड़ी, कुमनी बज्जय तामूर...।' भारत के स्वतंत्रता संग्राम के भूले हुए नायकों को याद करते हुए देश में लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हमें मुख्यधारा के हिस्से के रूप में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भागीदारी के भूले हुए नायकों के आख्यानों को गले लगाने की आवश्यकता है। चाहे जितनी तरह से कही जाए और जितनी बार, आजादी की कहानी से कुछ छूट ही जाता है, चाहे कितने भी तरीके और कितनी बार कहा जाए, जब स्वतंत्रता संग्राम की कहानियों की बात आती है तो कुछ बातें हमेशा अनकही रह जाती हैं। यह सच है कि इतिहास 'जो हुआ उसका आख्यान' है, लेकिन यह तय नहीं है, यह लगातार विकसित होता है। जब समुदाय जागरूक और मुखर हो जाते हैं, तो वे अपने अनसुने इतिहास का पता लगाते हैं और मुख्यधारा के आख्यानों पर दावा करते हैं। इस प्रकार, जागरूक समुदायों का इतिहास दो तरह से उभरता है : अकादमिक इतिहास के रूप में और सार्वजनिक इतिहास के रूप में। स्वतंत्रता सेनानी वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया (1824-1849) का नाम महान सपूतों में गिना जाता है। उन्होंने मुट्ठी भर साथियों के साथ अंग्रेजी साम्राज्य की नींव हिलाकर रख दी थी। उस वक्त वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया की उम्र महज 24 साल थी। इस वीर सपूत का जन्म नूरपुर रियासत के वजीर श्याम सिंह के घर 10 अप्रैल 1824 को हुआ था। उनके पिता नूरपुर रियासत में राजा वीर सिंह के वजीर थे। अंग्रेजों को भी पता था कि वो वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया को आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्होंने प्लान बनाया और जब वजीर राजपूत राम सिंह पठानिया पूजा-पाठ कर रहे थे, तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, आजीवन कारावास की सजा सुनाकर कालापानी भेज दिया और बाद में उन्हें रंगून भेजा गया। 11 नवंबर 1849 को मातृभूमि की रक्षा करते हुए मात्र 24 साल की उम्र में वीरगति को प्राप्त हो गए। राजपूत राम सिंह पठानिया एक किशोर राजपूत अंग्रेजों के खिलाफ उत्प्रेरक बन गया। बहादुरी के कुछ कृत्यों को पदक या प्रशंसा से सम्मानित किया जाता है, और लोग कुछ को सदियों तक याद करते हैं, लेकिन शायद ही कभी बहादुरी के कार्य की पूजा की जाती है। वजीर राम सिंह पठानिया ने इतना त्रुटिहीन काम किया कि लोगों ने उनके लिए एक मंदिर समर्पित किया। उनकी बहादुरी ने उन्हें भगवान की स्थिति तक पहुंचा दिया। राजपूत राम सिंह पठानिया भारतीयों के लिए तत्काल स्वतंत्रता नहीं लाए, लेकिन यह भारतीय लोगों में एकता लाए और ब्रिटिश सरकार के कब्जे के प्रतिरोध के लिए उत्प्रेरक बन गए। राजनीति, वैचारिक और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों के चलते इतिहासकारों ने कई महानायक बना दिए, यहां तक कि कई ऐसे भी जो इस लायक नहीं थे। इसका खामियाजा भुगतना पड़ा, उन लोगों को जिन्होंने देश पर अपनी जान बलिदान कर दी, लेकिन लोग उन्हें जानते तक नहीं। यह लेख उन गुमनाम नायकों में से एक राजपूत राम सिंह पठानिया के बारे में है जिनको भारतीय इतिहास की किताबों में वो जगह नहीं मिली जिसके कि वो हकदार थे। यहां तक कि उनका योगदान आप जिनको महानायक कहते हैं, उनसे भी ज्यादा था। हर एक व्यक्ति देश पर अपनी जान बलिदान कर फांसी चढने वाले भगत सिंह को तो जानता है, लेकिन क्या किसी को पता है एक भारतीय युवा राजपूत राम सिंह पठानिया ने पूर्व तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर रॉबर्ट पील के भतीजे ब्रिटिश अधिकारी जॉन पील को तलवार से मौत के घाट उतारा था? 1857 का विद्रोह, जिसने ब्रिटिश सरकार को मूल रूप से हिला दिया था।

देश दुनीया से

'लाठी के जोर पर लोकतंत्र' कायम रखना चाहती हैं सीएम ममता बनर्जी

> संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है।

लोकसभा की 42 सीटों वाले पश्चिम बंगाल में चुनावी कोलाहल कुछ ज्यादा ही सुनाई पड़ रहा है। छोटा संदेशखाली कहे जा रहे पूर्व मिदनापुर के भूपतिनगर में छह अप्रैल को एनआईए की टीम पर हमले ने साफ कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की मशीनरी किस तरह ध्वस्त हो गई है। वर्ष 2022 में पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर में एक तृणमूल नेता के घर बम विस्फोट हुआ और तीन लोगों के चीथड़े उड़ गए। दो घायल फरार हो गए थे। एनआईए को तभी से उन दोनों की तलाश थी। एनआईए को जांच का जिम्मा कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया था। कई बार समन भेजने के बावजूद ये आरोपी हाजिर नहीं हो रहे थे। सफाई देते हुए पांच अप्रैल की सभा में ममता ने उस विस्फोट को पटाखे का विस्फोट बताया। सवाल है कि क्या पटाखा फटने से शरीर के अंग डेढ़ किलोमीटर दूर जा सकते हैं। हद तो तब हो गई, जब मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि लोगों ने वही किया, जो करना चाहिए था। बंगाल पुलिस ने तो एनआईए की टीम पर ही महिलाओं से छेड़खानी का केस दर्ज कर लिया। संदेशखाली में ईडी के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाकर स्थानीय थाने में केस दर्ज किया गया था, पर संभावित कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। आरोप है कि एक भाजपा नेता जितेंद्र तिवारी ने एनआईए के एसपी धनराजराम सिंह से उनके घर पर मुलाकात की। तृणमूल इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। वह इस चुनावी मौसम में केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रही हैं। अगर न्याय के लिए तृणमूल सरकार अदालतों की शरण में जाए, तो यह बात समझ में आती है, पर कई मामलों में वह डंडे के जोर पर लोकतंत्र चलाती हैं और अदालती आदेशों को भी ठेंगा दिखाती रही हैं। पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा पर हाल ही में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया गया है। ममता सरकार ने संदेशखाली में कैंप लगाकर जिन लोगों की हड़पी गई जमीनें वापस लौटाईं, उन पर शाहजहां की गिरोह के दूसरे लेयर के उपद्रवी कब्जा नहीं करने दे रहे। आज भी पुलिस के असहयोग का आलम यह है कि बलात्कार पीड़ति महिलाएं घूंघट में आकर कलकत्ता हाईकोर्ट में बयान दर्ज करा रही हैं। कई कारणों से सिर्फ बशीरहाट सीट का जनादेश पूरे बंगाल का भविष्य इंगित करेगा। इसी निर्वाचन क्षेत्र में संदेशखाली है, जहां की डरावनी कहानियां झकझोर देती हैं। हिंदी में ठीक-ठाक बात करने में सक्षम रेखा पात्रा को तृणमूल ने बाहरी मान लिया है। वैसे, तृणमूल हिंदी बोलने वालों को बाहरी ही कहती रही है। कुछ साल पहले आसनसोल में एक चुनावी सभा में ममता ने हिंदी भाषियों को अतिथि कहा था। ऐसे माहौल में, भाजपा ने सही दांव चलते हुए संदेशखाली की पीड़िताओं को एकजुट करने वाली रेखा पात्रा को उम्मीदवार बनाया, ताकि पूरे चुनाव में महिला सम्मान का विमर्श जिंदा रहे। ममता की बड़ी ताकत राज्य की 49 प्रतिशत महिला वोटर हैं। इस सीट पर तृणमूल ने मुस्लिम आबादी को देखते हुए एक बार सांसद रह चुके हाजी नुरुल इस्लाम को टिकट दिया है, जिन पर वर्ष 2010 में इसी इलाके में दंगे भड़काने का आरोप लगा था। अभी चार अप्रैल को उत्तर बंगाल की चुनावी सभा में ममता ने लोगों से कहा कि वे दंगा न करें, और दंगा न होने दें।

रामनवमी से ठीक पहले यह संदेश जारी करने की क्या जरूरत थी? बशीरहाट का बड़ा हिस्सा सुंदरबन के जंगलों व टापुओं पर बनी बस्तियों से घिरा है। यहां साढ़े 17 लाख मतदाता हैं, जिनमें करीब 87 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। इस क्षेत्र में लगभग 46.3 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अनुसूचित जाति के करीब 25.4 प्रतिशत लोग हैं और रेखा पात्रा इसी समुदाय से हैं। पिछले दो महीनों से इलाके की महिलाओं के लक्ष्मी भंडार के रुपये खातों में नहीं आ रहे हैं। इन महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए पूछा कि क्या यह राशि तृणमूल दे रही है? इन मेहनतकश महिलाओं के प्रति किसी की ममता अगर नहीं छलकती है, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है? सात अप्रैल को उत्तरबंगाल के धूपगुड़ी में चुनाव प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा कि अपराधियों को बचाने के लिए, तृणमूल सरकार केंद्रीय एजेंसियों पर हमले करवा रही है। मुख्यमंत्री होकर राष्ट्र से लड़ने का दुस्साहस दीदी को भारी पड़ सकता है। कई बार शक होता है कि कहीं ममता खुद ही राज्य को राष्ट्रपति शासन की ओर तो नहीं ले जा रही हैं, ताकि क्षेत्रीयता का बवंडर उठाया जा सके? हालांकि भाजपा ऐसा 'मौका' नहीं देने के पक्ष में है।

आप का नजरीया

क्या महाशक्ति-सा जीवन स्तर?

चूंकि आम चुनाव का मौसम उफान पर है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी देश को जो गारंटी दे रहे हैं, वह यह है कि उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनेगा। प्रधानमंत्री देश को आश्वस्त कर रहे हैं कि 2047 में 'विकसित भारत' का संकल्प पूरा करने को वह 24 घंटे, सातों दिन काम में जुटे रहते हैं। फिलहाल भारत अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अमरीका की अर्थव्यवस्था 25 ट्रिलियन डॉलर से अधिक और चीन की 19 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था है। भारत का जीडीपी 3.8 ट्रिलियन डॉलर के करीब है, जबकि जापान और जर्मनी का जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है। भारतीय जीडीपी की आर्थिक विकास दर जिस गति से आगे बढ़ रही है, उसके मद्देनजर 2028 तक वह जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ कर तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। भारत यूपीए सरकार के दौरान विश्व की 10वीं अर्थव्यवस्था था। वहां से छलांग लगाकर वह 5वीं महाशक्ति बना है, यह एक महान उपलब्धि है। भारत के नागरिकों और उद्योगों ने ही यह खूबसूरत, गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है। 2014-15 में हमारी औसत विकास दर 5.9 फीसदी रही थी, जबकि 2023-24 के दौरान यह 6.8 फीसदी से भी कम रही है। हम विभिन्न सरकारों के कार्यकालों में विकास दर की तुलना नहीं करना चाहते। यह परिस्थितिजन्य भी होता है कि विकास दर कम-ज्यादा होती रहती है। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर डूब कर नकारात्मक हो गई थी। भारत उन परिस्थितियों से भी बाहर निकल कर 5वीं महाशक्ति पर अडिग रहा है। यदि जापान और जर्मनी की विकास दरें मौजूदा स्तर के करीब ही रहीं, तो भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान जल्दी भी हासिल कर सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था के विस्तार की तरह यह मुद्दा भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत का औसत जीवन-स्तर कैसा है? क्या औसत भारतीय का जीवन-स्तर एक महाशक्ति जैसा है? भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2500 डॉलर है, जो चीन की 13,000 डॉलर से बहुत कम है। 1990 के हालात और संदर्भों का आकलन करें, तो भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 369 डॉलर थी, जबकि चीन 348 डॉलर के साथ हमारी तुलना में पीछे था। आज चीन की अर्थव्यवस्था इतनी आगे है कि भारत उसे छूने की कल्पना भी नहीं कर सकता। आखिर तीन दशकों के दौरान चीन हमसे इतनी आगे कैसे निकल गया, यह एक बेहद विचारणीय सवाल है। सिर्फ 'विकसित भारत' के नारे उछालने से ही लक्ष्य हासिल नहीं होगा। 2047 में कौन-सा प्रधानमंत्री देश के प्रति जवाबदेह होगा? क्या वह मौजूदा प्रधानमंत्री की वैचारिक लकीर को ही आगे बढ़ाएगा? यदि भिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधि हुआ, तो कोई जरूरी नहीं कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मान्यता दे।

अन्य देशों को भी विश्वास है *मोदी का भारत* संकट के समय में साथ रहेगा : एस. जयशंकर

बीकानेर (हिंस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को बीकानेर में कहा कि पिछले एक दशक का रिकॉर्ड देखेंगे तो पाएंगे कि इस समय अभियान, योजनाएं ऐसी चलायी गईं, जिससे न केवल पूरा देश बल्कि विदेशों में भी पूरे विश्वास के साथ मोदी की गारंटी देख रहे हैं और कह रहे हैं कि विश्वास है, संकट के समय *मोदी का भारत* साथ है। जिला उद्योग संघ में पत्रकार सम्मेलन में विदेश मंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में देश का मान बढ़ा है। देश का हर नागरिक अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहा है। सीमापार आतंकवाद पर भी लगाम कसी गई है। इसके साथ ही उत्तरी सीमा पर भी हमारी फौज मुस्तैदी से खड़ी है। जी-20 का अध्यक्ष रहते हुए भारत ने सर्वसम्मति से संगठन को चलाया। मोदी के नेतृत्व में हर मसले पर देश पूर्णत: कामयाब रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई भी बाहर की ताकत चुनावों को प्रभावित नहीं कर सकती। हमें किसी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। देश में लोग बिना किसी दबाव के मतदान करते हैं जबकि अन्य देशों में कानून बना है कि वोट करना जरूरी है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में विदेश मंत्री बोले कि पिछले दस सालों में मोदी के नेतृत्व में देश की विदेश नीति में ऊर्जा आया है। लोग भारत को गंभीरता से लेने लगे हैं। पड़ोसियों से हमारे संबंध बेहतर हैं। कोविड के वक्त भी हमने विदेशी भारतीयों को निकाला। उन्होंने यह भी कहा कि यूएन में भी चर्चा हुई है, भारत जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनेगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने प्रेस-कांफ्रेंस में बीकानेर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि भुजिया, क्ले, मीनाकारी, कार्पेट, इन सब से बीकानेर की पहचान है। नई संसद में भी बीकानेर के बने कार्पेट लगे हुए हैं। जैतून के मामले में भी बीकानेर पहचान बना रहा है। बीकानेर बेहतरीन टूरिस्ट प्लेस भी है। विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि संसद में हमारे साथी अर्जुनराम को दिल्ली भेजना महत्वपूर्ण काम है। यहां के मतदाताओं से वे कहेंगे कि अर्जुनराम को आगे बढ़ाएं, आपके समर्थन से देश को सपोर्ट मिलेगा। इस अवसर पर प्रेस कांफ्रेंस में सांसद व प्रदेश सहप्रभारी प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे।

भाजपा जो कहती है, करती भी है : राजनाथ सिंह

सहारनपुर (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा की हालत यह हो गई है कि वह रोज प्रत्याशी बदलती है। कांग्रेस को प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद लोग पूछेंगे कि सपा कौन? क्योंकि सपा समाप्त पार्टी है। लोग पूछेंगे कि कांग्रेस कौन? यह तो हालत इनकी हो गई है। राजनाथ सिंह ने सहारनपुर के बेहट रोड स्थित पानसर के किसान विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी राघव लखनपाल शर्मा के समर्थन में वोट की अपील करते हुए कहा कि आज विश्व भारत की ताकत को पहचान रहा है। भाजपा जो कहती है, वह करती भी है। हमने अपने घोषणापत्र में देश की जनता से वादा किया था कि जिस दिन हमें संसद में बहुमत मिल जाएगा, हम जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर देंगे। हमने अनुच्छेद 370 को चुटकी बजा कर समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान को लैंड कराने वाला भारत दुनिया का अकेला देश है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन में फंसे हमारे 22, 500 बच्चों को सुरक्षित निकलवाया। पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन और अमेरिका के राष्ट्रपति से बात कर साढ़े चार घंटे के लिए युद्ध रुकवाया। यह भारत की ताकत है। राजनाथ सिंह ने कहा कि वर्ष 2014 में हमें जनादेश मिला और 2019 में जनता ने और बढ़-चढ़कर आशीर्वाद दिया। जनता की इच्छा के अनुरूप भारत के मस्तक को विश्व में ऊंचा करने का काम मोदी के नेतृत्व में किया जा रहा है। पहली बार हमारे देश के वैज्ञानिकों ने करिश्माई काम किया है। अभी तक रूस और अमेरिका के बारे में आप सुनते थे। आज से कुछ वर्ष पहले तक दुनिया की भारत के बारे में धारणा थी कि भारत गरीबों का देश है लेकिन दुनिया भारत का लोहा मान रही है। वर्ष 2014, 2019 और 2022 में भी अफवाह फैलाई थी। कभी पिछड़ों को तो कभी ब्राह्मण को नाराज बताया। जहां तक सपा और कांग्रेस का सवाल है, मुझे याद है कि जब 2017 का विधानसभा का चुनाव चल रहा था तो इन लोगों ने नेरेटिव चलाया कि भाजपा से उप्र के पिछड़े नाराज हैं। 2019 में चलाया कि ब्राह्मण नाराज हैं। 2022 में नेरेटिव चलाया कि जाट नाराज हैं। अब यह नेरेटिव चला दिया कि राजपूत नाराज हैं लेकिन कांग्रेस या सपा यह मानने को तैयार नहीं है कि इनसे पूरी यूपी नाराज है। यदि हमसे किसी की कोई नाराजगी होगी तो हम आपस में बैठकर सुलझा लेंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि संसद में बहुमत मिलते ही हमने चुटकी बजा कर तीन तलाक की प्रथा को खत्म कर दिया। हम लोग जात पंथ-मजहब की नहीं, बल्कि इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करते हैं। हमने वादा किया था कि जिस दिन बहुमत मिल जाएगा, हम अयोध्या की धरती पर भगवान राम का भव्य मंदिर बनाएंगे और आप सबके आशीर्वाद से हमने वह कर दिखाया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने कहा कि उप्र में जब भी कोई कार्यक्रम होता है तो मुझे आत्मिक सुख की प्राप्ति होती है।

भाजपा सरकार ने मैनपुरी के साथ सौतेला व्यवहार किया : डिंपल यादव

मैनपुरी (हिंस)। मैनपुरी लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) की प्रत्याशी डिंपल यादव ने बुधवार को चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। किशनी विधान सभा के ग्राम पंचायत इलाबास पहुंच कर सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता यह क्यों नहीं बताते कि सरकार में विकास के नाम पर जिले में क्या किया है। भाजपा सरकार में मैनपुरी के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि इस बार भी मैनपुरी नेताजी को ही सम्मान देगी। मैनपुरी के लोगों ने नेताजी के विकास को देखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत फैलाने का काम करती है। जिले में दिखने वाला विकास सपा शासन में ही हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों की सरकार है। इस सरकार से हमारे किसान भाईयों को बहुत परेशानी हो रही है। आवारा पशुओं से हमारे किसान भाई परेशान हैं। सरकार ने गौशाला केवल नाम के लिए खोले हैं। इस समय देश में इमरजेंसी जैसा माहौल बना हुआ है। सरकार लोगों को गुमराह कर रही है। जो भी अपनी आवाज उठाता है उसे जेल में डाल देती है। डिंपल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। पहले पुलिस परीक्षा कराती है, फिर पेपर लीक कर देती है।

कांग्रेस के सीताराम अग्रवाल, रघुवीर तंवर सहित 306 लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय पर बुधवार क कांग्रेस के 306 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं विद्याधरनगर विधानसभा प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल, नीमकाथाना से प्रत्याशी रहे रघुवीर सिंह तंवर, ऑल इंडिया रिजर्व बैंक एम्पलॉयज यूनियन के पूर्व राष्ट्रीय सचिव जी एन पारीक, जगदीश सोमानी अध्यक्ष विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज, माचड़ा हनुमान मंदिर के महंत सुदर्शन महाराज, पार्षद केशरमल शर्मा, पार्षद धापा देवी, महेश अग्रवाल, पूर्व पार्षद सीएम शर्मा, अमर सिंह हाथोज पूर्व प्रदेश महासचिव उद्योग एवं व्यापार प्रकोष्ठ कांग्रेस कमेटी और रवि कानूनगो सहित 306 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं है यह परिवार है इस परिवार में जुड़ने वाले सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सीताराम अग्रवाल के भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस मुक्त हो चुका है। आने वाले कुछ दिनों में केवल विद्याधरनगर ही नहीं बल्कि पूरा राजस्थान कांग्रेस मुक्त होने वाला है। कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं विद्याधरनगर विधानसभा प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल ने संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का धन्यवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सुबह का भूला यदि शाम को घर लौट आता है तो उसे भूला नहीं कहा जाता। मेरा कांग्रेस में लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है, लेकिन मुझे आज भाजपा परिवार में आने के बाद बहुत खुशी है। कांग्रेस में रहते हुए मेरा परिवार और मेरा मन दोनों गवाही नहीं देते थे कि इस पार्टी में रहकर काम किया जाए। मेरा अभी तक का कैरियर बेदाग रहा है, मैं भाजपा परिवार को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि मैं मेरा पूरा जीवन पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता की तरह समर्पित करूंगा। लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक ओंकार सिंह लखावत और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया ने सभी को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई।

दोहरे हत्या मामले में दोषी पूर्व विधायक और नक्सली जेठा कच्छप को उम्रकैद

रांची (हिंस)। अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने बुधवार को पुलिस मुखबिर के आरोप में दोहरे हत्याकांड भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या मामले में दोषी पूर्व तोरपा विधायक पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने पौलूस सुरीन पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना की राशि नहीं देने पर दोनों को एक साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। इससे पूर्व छह अप्रैल को अदालत ने मामले में ट्रायल फेस कर रहे तीन महिला और कृष्णा महतो को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। जबकि दोनों आरोपितों को दोषी करार दिया था। पौलूस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। घटना खूंटी के तोरपा में वर्ष 2013 की है। मामले में पुलिस मुखबिर भुषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। मामले में पौलूस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो और तीन महिला सहित छह आरोपी ट्रायल फेस कर रहे थे। इसी मामले में पीएफएलआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी ट्रायल फेस रहे हैं।

भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना में डॉ. बीबी अग्रवाल कर रहे भगीरथ प्रयास

प्रयागराज (हिंस)। हिंदुओं के नव वर्ष यानी नव सम्वत्सर पर प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम उद्घोष 2081 को अब पूरे देश में व्यापक समर्थन मिल रहा है। धर्म एवं संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे लोगों का मानना है कि सृजन जन सेवा समिति प्रयागराज के सचिव डॉ. बीबी अग्रवाल उद्घोष 2081 के माध्यम से गौरवशाली भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना के लिए भगीरथ प्रयास कर रहे हैं। नव सम्वत्सर का प्रथम दिन देशवासियों के लिए इसलिए भी गौरव का क्षण था कि जिस समय लोग हनुमत निकेतन में भगवान भाष्कर की प्रथम रश्मि का शंखनाद एवं घंटा-घड़ियाल की तुमुल ध्वनि के साथ स्वागत कर रहे थे। उसी समय दक्षिण के राज्य आंध्र प्रदेश के कड़प्पा स्थित चिन्मय श्रीविद्याश्रम में भी लोग ज्योतिष पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती की उपस्थिति में हिंदू नव सम्वत्सर के स्वागत उत्सव में लीन थे। डॉ. बीबी अग्रवाल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि देश के इन दोनों स्थानों पर उद्घोष 2081 कार्यक्रम में विशिष्ट साधु-संतों के साथ ही समाज के सभी वर्ग के लोगों की व्यापक भागीदारी रही। प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम को कड़प्पा से वर्चुअली सम्बोधित करते हुए शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि उद्घोष कार्यक्रम आम लोगों के लिए प्रेरणादायक है। इसके माध्यम से डॉ. बीबी अग्रवाल लोगों के अंतस में आध्यात्मिक चेतना का प्रवाह कर रहे हैं। अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव दंडी स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिरों के निर्माण से आध्यात्मिकता के साथ ही देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई है। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान एवं न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के आयोजन से हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते हैं। डॉ. अग्रवाल न सिर्फ चिकित्सा के माध्यम से लोगों की सेवा कर रहे हैं अपितु धर्म एवं अध्यात्म के प्रति भी लोगों को जागरूक कर रहे हैं। वहीं धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. सविता अग्रवाल ने कहा कि भूमंडल की ऊर्जा का स्रोत भगवान भाष्कर हैं। हम सबके जीवन में उजाला रहे, यही कामना है। वहीं सृजन जन सेवा समिति के सचिव डॉ. बीबी अग्रवाल ने कहा कि हमें उन संस्कारों को अपने भीतर पुन: स्थापित करना है, जिससे भारत विश्व गुरु बना। इन्हीं उपलब्धियों के कारण आने वाली पीढ़ी हम पर गर्व कर सकेगी। उन्होंने बताया कि नव सम्वत्सर प्रकृति एवं खगोल शास्त्रीय सिद्धांतों पर आधारित है।

कार्यकर्ता को पार्टी का मुखिया बनाने का काम भाजपा ही कर सकती है : सीएम सैनी

अलवर (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को अलवर दौरे पर है। आज तिजारा, अलवर शहर और राजगढ़ में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी भूपेंद्र यादव के समर्थन में जनसभा की। सबसे पहले सभा तिजारा इसके बाद अलवर शहर राजर्षि अभय समाज और राजगढ़ में सभा की। इस दौरान तिजारा से राजगढ़ तक कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। तिजारा में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि भाजपा छोटे से कार्यकर्ता को पार्टी का मुखिया बनाकर बैठा देती है। यह काम बस भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने लोगों से अपील कि की वह 19 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी को वोट करें। उन्होंने कहा कि यही अपील करने वह अलवर आए है। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र यादव के साथ उन्होंने काम किया है। यादव को जीतकर लोकसभा भेजें ताकि वह अलवर से आपकी बातों को मजबूती से लोकसभा में रख सके। देश में पहले चरण की वोटिंग 19 को है तिजारा से ही 400 पार का खाता खुलना चाहिए। सभा को मंत्री संजय शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, विधायक बालकनाथ सहित कई नेताओ ने संबोधित किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष उमेद भाया, पूर्व सांसद करणसिंह यादव, रामवीर साहबादी, पूर्व चेयरमैन संदीप दायमा, महासिंह चौधरी, मामन यादव, रामकिशन मेघवाल, बनेसिंह, कुलदीप सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चन्द्रशेखर के परिवार को दूसरी बार मिला भगवा का साथ

बलिया (हिंस)। एनडीए की तरफ से समाजवादी नेता व पूर्व पीएम चन्द्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर भाजपा प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि भगवा दल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष समर्थन चन्द्रशेखर के परिवार को मिला है। अब बलिया सीट पर भगवा की हैट्रिक लगाने की चुनौती नीरज शेखर को उठानी होगी। बलिया संसदीय सीट पर 2014 में पहली बार भाजपा का कमल खिला था। उसके बाद लगातार दूसरी बार 2019 में भाजपा ने भगवा लहराया था। 2024 में इस सीट पर हैट्रिक लगाने की जिम्मेदारी पूर्व पीएम नीरज शेखर के कंधों पर है। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक नीरज शेखर इसके पहले 2007 के उपचुनाव और 2009 के आम चुनाव में लोकसभा सांसद रह चुके हैं। 2014 में हारने के बाद से अब तक दो बार राज्यसभा में पहुंचे हैं। जिसमें एक बार वह सपा तो फिलहाल भाजपा सदस्य के रूप में संसद के उच्च सदन में पहुंचे। बात करें समाजवाद की उर्वर भूमि रही बलिया की तो यह पहला अवसर नहीं है जब भाजपा का भगवा ध्वज पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर के परिवार के कंधों पर होगा। 1996 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने चन्द्रशेखर के समर्थन में प्रत्याशी खड़ा नहीं किया था। तब चन्द्रशेखर को आसान जीत मिली थी। हालांकि, बाद के चुनावों में भाजपा ने उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। 1998 के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी के रूप में रामकृष्ण मिश्र ने चंद्रशेखर के सामने थे। तब चंद्रशेखर को 260544 व रामकृष्ण मिश्र को 231060 मत मिले थे। इसके बाद तुरंत 1999 में हुए लोकसभा चुनाव में भी भाजपा दूसरे स्थान पर रही। चंद्रशेखर को उस वक्त भी विजय हासिल हुई थी। उन्हें 235946 वोट मिले थे। वहीं रामकृष्ण मिश्र को 180271 वोट ही प्राप्त हुए थे। अलबत्ता, 2004 में चंद्रशेखर को भाजपा के बजाय बसपा के कपिलदेव यादव ने दूसरे स्थान पर रहकर टक्कर दी। चंद्रशेखर को तब 270136 व बसपा को 189082 वोट मिले थे। भाजपा फो उस वक्त 109499 वोट ही मिले थे। इसके बाद चंद्रशेखर की मृत्यु के बाद हुए उपचुनाव में सपा ने चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर को अपना प्रत्याशी बनाया था। नीरज को उस चुनाव में 295736 वोट मिले थे। दूसरे स्थान पर बसपा के विनयशंकर तिवारी ने रहते हुए 164450 मत हासिल किया था। भाजपा के वीरेन्द्र सिंह मस्त को मात्र 22723 मत ही मिले थे।

जिलाधिकारी एवं मनरेगा मजदूरों ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

समस्तीपुर (हिंस)। जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी ने मोहनपुर प्रखंड के धरणी पट्टी पश्चिम पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय धरणी पट्टी पश्चिम में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में सम्मिलत हुए। इस मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में सभी मतदाताओं से 13 मई 2024 शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। इस कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी पटोरी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पटोरी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता पटोरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी और कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर वारिसनगर के 18 पंचायत विद्यापति नगर के 14 पंचायत दलसिंहसराय के 14 पंचायत पूसा प्रखंड के 13 पंचायत उजियारपुर प्रखंड के 28 पंचायत पटोरी प्रखंड के 14 पंचायत मोहनपुर प्रखंड के 11 पंचायत, सरायरंजन के 17 पंचायत मोद्दीनगर के 17 पंचायत में मनरेगा मजदूरो एवं कर्मियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया।

चार दिवसीय सूर्य उपासना का चैती छठ 12 अप्रैल से

रांची (हिंस)। चार दिवसीय सूर्य उपासना का महापर्व चैती छठ व्रत-अनुष्ठान 12 अप्रैल, शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ प्रारंभ हो जाएगा। व्रती स्नान-ध्यान कर छठी मईया की आराधना करेंगे। 13 अप्रैल को खरना का निर्जला उपवास रखा जाएगा। व्रतधारी महिला, पुरुष इस दिन शाम ढलने के बाद पूजा-अर्चना कर छठी मईया को शुद्ध रूप से पकाए गए खीर आदि पकवान का भोग लगाएंगे। इसके बाद स्वयं ग्रहण कर अपना उपवास तोड़ेंगे। फिर परिवार सहित इष्ट-मित्रों के बीच प्रसाद रूप में उसे वितरण किया जाएगा। मान्यता है कि खरना का महाप्रसाद पाने वालों का जीवन धन्य हो जाता है। रोग-शोक से मुक्ति मिलती है। जीवन में सदा सुख और समृद्धि बनी रहती है। इसी भाव से खरना का प्रसाद पाने को लोग लालायित रहते हैं। 14 अप्रैल को पहला अर्घ्य है। शहर के विभिन्न तालाबों, डैम और जलाशयों में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

कार ने दो मोटर साइकिल में मारी टक्कर, चचेरे भाई समेत तीन की मौत

हरदोई (हिंस)। जगदीशपुर-शाहाबाद मार्ग पर बुधवार को एक कार ने दो मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में चचेरे भाइयों समेत तीन की लोगों की मौत हो गई। कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। राहगीरों ने कार सवारों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। लोनार के ग्राम गदाईपुर के रहने वाले नरेश बुधवार को बाइक से जगदीशपुर जा रहे थे। शाहाबाद जगदीशपुर मार्ग पर मेहरवान बगिया के पास अनियंत्रित कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नरेश की मौके पर मौत हो गई। वहीं, कार ने दूसरी बाइक में भी टक्कर मारी, जिसमें बेहतगोकुल के ग्राम बिहगांवा के अशोक और उसके चचेरे भाई सर्वेश घायल हो गए। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। राहगीरों ने सर्वेश और अशोक को एम्बुलेंस से बावन सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टर ने सर्वेश को मृत घोषित कर दिया और अशोक को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टर ने अशोक को भी मृत घोषित कर दिया।

ईद के लिए बाजारों में उमड़ी भीड़ ईदगाह मैदान पर होगी सामूहिक नमाज

सहरसा (हंस)। एक महीने तक चलने वाले पवित्र माह रमजान के बाद ईद उल फितर गुरुवार को जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसको लेकर सभी मुस्लिम समुदाय के घरों में जोरों से तैयारी चल रही। सभी के चेहरे पर पर्व की खुशी है एवं जमकर तैयारी की गई है। एक महीने के रमजान के बाद ईद का पर्व मनाया जाता है जो खुशियों की बड़ी सौगात है। ईद सामाजिक सौहार्द एवं आपसी भाईचारे का पर्व है। सभी आपस में गले मिलकर एक दूसरे को ईद मुबारकबाद देते हैं। इस पर्व को अनुशासन के साथ मनाए जाने की परंपरा रही है। रमजान महीने में दिन भर रोजा मुस्लिम भाइ रखते हैं एवं शाम में निर्धारित समयानुसार इफ्तार करते हैं। वहीं बाजारों में ईद पर्व को लेकर बाजार में रौनकता बनी है। सेवई, भुना सेवई, लच्छा, मांकुटी, पंजाबी मेडियम, बकरखानी, खजुर, मिस्बाक सहित अन्य तरह के जरूरत के सामान की खरीददारी हो रही हैं। इस वर्ष मार्च व अप्रैल महिने में रमजान होने से लोगों में थोड़ी राहत रही। अपेक्षाकृत कम गर्मी रहने के कारण रोजेदारों को बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। नूरी मस्जिद इमाम मौलान साजिद गौहर ने कहा कि अपने अल्लाह को संतुष्ट करने के लिए उपासना के साथ कुरआन परायण, दान धर्म करते हैं। अल्लाह का धन्यवाद अदा करते हुए इस महीने के गुजरने के बाद शव्वाल की पहली तिथि गुरुवार को ईद उल फितर होगा। रमजान उल मुबारक के इस पवित्र त्यौहार कि आज आखिरी दिन है इसी कड़ी में भारत में मनाए जाने वाले रमजान उल मुबारक के पाक महीने की आज आखिरी दिन है। इस दिन मुसलमान समुदाय के लोग चांद देख कर ईद उल फितर मानते हैं। वहीं पूरे भारत में मनाए जाने वाले इस पवित्र त्यौहार को लेकर बच्चों से बूढ़े तक में खुशी ही खुशी देखने को मिल रही हैं। इसी कड़ी में आज हर गली मोहल्ले से लेकर छोटा बाजार से लेकर बड़े बाजारों तक में लोगों के द्वारा खरीद बिक्री को लेकर काफी भीड़ देखने को मिल रहे हैं। किसी दुकान पर लच्छेदार सेवइयां की खरीदारी की जाती है तो किसी दुकान पर नमाज अदा करने के लिए टोपिया की खरीदारी, किसी दुकान पर इतर की खरीदारी, किसी दुकान पर आंख मे लगाने वाले सुरमों की खरीदारी, किसी दुकान पर इफ्तार के लिए फलों की खरीदारी आदि चीजों को लेकर हर दुकान पर लोगों की काफी भीड़ देखने को मिल रहे हैं। मो अजहरुद्दीन ने बताया कि पवित्र माह रमजान खत्म होने पर ईदगाह मैदान में सामूहिक नमाज अदा की जाएगी।

देश में चार साल में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या

नई दिल्ली ।
देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। इसके बावजूद भारत ने दुनियाभर ने यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र होने का रुतबा कायम रखा है। एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप कंपनियों को यूनिकॉर्न कहा जाता है।

हुरुन की जारी वैश्विक यूनिकॉर्न सूचकांक-2024 के मुताबिक, ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम11 भारत की सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका मूल्यांकन आठ-आठ अरब डॉलर है। इनके बाद रेजरपे का स्थान आता है, जिसका मूल्यांकन 7.5 अरब डॉलर है। हालांकि, भारत की दो अग्रणी यूनिकॉर्न स्विगी और ड्रीम11 वैश्विक स्तर पर सूची में 83वें स्थान हैं। शीर्ष वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में रेजरपे 94वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 703 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज चीन में 340 यूनिकॉर्न हैं। यूके 53 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया में चौथे स्थान पर है।

बायजू श्रेणी से बाहर, मूल्यांकन में भारी गिरावट – शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू अब यूनिकॉर्न की श्रेणी से बाहर हो गई है। एक साल पहले उसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से अधिक था, जो अब भारी गिरावट के साथ एक अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। बायजू के मूल्यांकन में आई इस कमी ने उसे दुनिया के किसी भी स्टार्टअप के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट वाली फर्म बना दिया है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा, कुछ स्टार्टअप वास्तव में नाकाम हो जाते हैं। इस दौरान वे बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। हालांकि, ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति – भारत ने अपना पहला एआई यूनिकॉर्न क्रूटिम खड़ा किया है। एआई इनोवेशन में भारत अब भी अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। अमेरिका में 60 और चीन में 37 एआई यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, यह स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी – जुनैद ने कहा, 1,453 यूनिकॉर्न की सूची में भारतीय कंपनियों की संख्या में कुल गिरावट शेयर सूचकांकों पर अच्छे लाभ के बावजूद स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, देश के बाहर कंपनी शुरू करने की प्रवृत्ति ने भी भारत के लिए संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। भारत के फर्म संस्थापकों ने विदेश में 109 यूनिकॉर्न शुरू किए, जबकि देश के भीतर उनकी संख्या 67 है।

45 फीसदी बढ़ा मूल्यांकन – दुनिया के शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में से आठ चीन और अमेरिका से हैं। ऑस्ट्रेलिया और माल्टा से एक-एक यूनिकॉर्न इस सूची में शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

सौंदर्य-कार उत्पादन से जुड़ी कंपनियां जलवायु परिवर्तन रोकने में नहीं कर रहीं सहयोग, दे रहीं ये दलील

नई दिल्ली । फैशन और शीर्ष सौंदर्य ब्रांड वाली कंपनियां जलवायु परिवर्तन को रोकने में सहयोग नहीं कर रही हैं। गैर-लाभकारी शोध समूह 'न्यूक्लाइमेट इंस्टिट्यूट' और 'कार्बन मार्किट वॉच' ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये कंपनियां जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए आवश्यक गति से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम नहीं कर रही हैं। कई कंपनियां तो निरंतरता को बढ़ावा देने के अपने वादों को बढ़ा चढ़ा कर बता रही हैं। एचएंडएम, नेस्ले और टोयोटा जैसी जानी-मानी कंपनियां इस सूची में शामिल हैं। कुल 51 कंपनियां 2022 में 16 फीसदी वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 के पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोक कर रखने में इनकी कोशिशें गंभीर रूप से अपर्याप्त हैं। हालांकि, 2030 के जलवायु संकल्पों को लेकर कंपनियों की सामूहिक महत्वाकांक्षा में पिछले दो सालों में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। अधिकांश कंपनियां अभी भी उत्सर्जन में उतनी कमी नहीं कर पा रही हैं जितनी जरूरत है। वैश्विक उत्सर्जन को 2030 तक 43 प्रतिशत घटाने की जरूरत होगी संयुक्त राष्ट्र के जलवायु वैज्ञानिकों के मुताबिक पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वैश्विक उत्सर्जन को 2030 तक 43 फीसदी घटाने की जरूरत होगी। लेकिन ये कंपनियां अपने मौजूदा संकल्पों के मुताबिक उस अवधि तक अपने उत्सर्जन में सिर्फ 33 फीसदी की कटौती कर पाएंगी। कॉरपोरेट सेक्टर में बढ़ी मांग रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कॉरपोरेट सेक्टर से कार्बन क्रेडिट (कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों को छोड़ने की अनुमति) के जरिये जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में लचीलेपन की मांग बढ़ रही है। कार्बन क्रेडिट के जरिये कंपनियां अपने उत्सर्जन की भरपाई के लिए ऐसे किसी प्रोजेक्ट में पैसा लगा सकती हैं, जो उत्सर्जन को कम करता हो। इसमें जंगलों का संरक्षण जैसे विकल्प भी शामिल है। कंपनियों की दलील कुछ कंपनियों ने अपनी दलील पेश करते हुए कहा कि उन्होंने 2019 के मुकाबले 2023 में अपने उत्सर्जन में 22 फीसदी की कटौती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कंपनियां अन्य से बेहतर कर रही हैं। उदाहरण के लिए फ्रांसीसी खाद्य कंपनी 'दानोन' का कहना है कि वह ताजे दूध के उत्पादन से मीथेन के उत्सर्जन की मात्रा को महत्वपूर्ण रूप से कम करेगी। साथ ही प्लांट-आधारित उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाएगी।

बाबा रामदेव-आचार्य बालकृष्ण ने फिर मांगी माफी, भ्रामक विज्ञापन मामले में दायर किया हलफनामा

नई दिल्ली । योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अपने उत्पादों को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाली कंपनी द्वारा जारी विज्ञापनों पर सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत में दायर दो अलग-अलग हलफनामों में, रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए भी माफी मांगी है। अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा गौरतलब है कि 21 नवंबर, 2023 के आदेश में शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा, विशेष रूप से पतंजलि द्वारा निर्मित किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग से संबंधित और इसके अलावा, औषधीय को लेकर दावा करने वाला या चिकित्सा की किसी भी प्रणाली के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। मुझे अपनी गलती पर अफसोस है- बाबा रामदेव आश्वासन का पालन न करने और उसके बाद के मीडिया बयानों ने शीर्ष अदालत को नाराज कर दिया, जिसने बाद में उन्हें कारण बताने के लिए नोटिस जारी किया कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए। शीर्ष अदालत में दायर अपने हलफनामे में, रामदेव ने कहा कि मैं विज्ञापनों के मुद्दे के संबंध में बिना शर्त माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, मुझे इस गलती पर अफसोस है और मैं अदालत को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसे दोहराया नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि आदेश का अनुपालन किया जाएगा और इस तरह का कोई भी विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। क्या है आईएमए का आरोप आईएमए ने आरोप लगाया कि पतंजलि ने कोविड-19 वैक्सीनेशन के खिलाफ एक बदनाम करने वाला कैंपेन चलाया था। इस पर अदालत ने चेतावनी दी थी कि पतंजलि आयुर्वेद की ओर से झूठे और भ्रामक विज्ञापन तुरंत बंद होने चाहिए।

टिकटों की मांग बढ़ने से हवाई किराये 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़े, क्या यह विस्तारा संकट का असर है

नई दिल्ली ।
हवाई यात्रियों को गर्मियों में घरेलू उड़ानों के लिए अधिकद किराये भुगतान करना होगा। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और यात्री मांग में मजबूती बने रहने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी है। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां तक कि घरेलू मार्गों पर बड़े विमानों का उपयोग भी कर रहा है। इस दौरान टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की सौ से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है।

पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के एक विश्लेषण से पता चला है कि एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

विश्लेषण के मुताबिक, दिल्ली-मुंबई उड़ान सेवाओं के मामले में किराया वृद्धि 12 प्रतिशत और मुंबई-दिल्ली सेवाओं के मामले में आठ प्रतिशत थी। ट्रैवल पोर्टल यात्रा ऑनलाइन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विमान एवं होटल कारोबार) भरत मलिक ने कहा कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन उड़ान कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों को शामिल करते हुए अनुमानित औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने का अनुमान है। मलिक ने कहा, विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के फैसले ने प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकट की कीमतों को प्रभावित किया है। हमने किराये में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। दिल्ली-गोवा, दिल्ली-कोच्चि, दिल्ली-जम्मू और दिल्ली-श्रीनगर जैसे प्रमुख मार्गों पर कीमतें लगभग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए हवाई किराये का एक प्रमुख कारण विस्तारा की ओर से उड़ान संचालन में कटौती है। इसके अलावा ईंधन की बढ़ती लागत के साथ ग्रीष्मकालीन यात्रा की बढ़ती मांग ने भी किराया बढ़ाने में भूमिका निभाई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स में वरिष्ठ निदेशक और वैश्विक प्रमुख (परिवहन एवं लॉजिस्टिक) जगन नारायण पद्मनाभन ने कहा, "व्यस्त मौसम आते ही किराया पांच-सात प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

सीमेंट की कीमत बढ़ने से सस्ते मकानों की घट सकती है मांग इन्फ्रा प्रोजेक्ट भी होंगे प्रभावित

नई दिल्ली ।
देशभर में सीमेंट की कीमतें बढ़ने से किफायती यानी सस्ते मकानों के निर्माण में बाधा आ सकती है। साथ ही, ग्राहकों को आवासीय संपत्तियां खरीदने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है। इससे मकानों की बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है। रियल एस्टेट उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किफायती मकानों के निर्माण में पहले से ही धीमापन है। अब सीमेंट के दाम बढ़ने से खुदरा ग्राहकों की खरीदारी, बड़े पैमाने पर निर्माणपरियोजनाएं और बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। आने वाले समय में इसका असर रियल एस्टेट उद्योग पर दिखेगा। सीमेंट की कीमतें पिछले सप्ताह उत्तरी भारत में 10-15 रुपये, मध्य भारत में 30-40 रुपये और पश्चिमी भारत में 20 रुपये प्रति बोरी की दर से बढ़ी हैं। उद्योग के मुताबिक, कमजोर मांग से पिछले पांच महीने में सीमेंट की कीमतें घटीं थीं। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा, सस्ते मकानों की मांग पहले से ही कमजोर है। सीमेंट के दाम बढ़ने से यह लोगों की पहुंच से बाहर हो जाएगा। अन्य लागतें भी बढ़ जाएंगी।

बिल्डर कर सकते हैं बजट का पुनर्मूल्यांकन

सीमेंट की कीमतें बढ़ने से बिल्डरों को अपने बजट का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि दाम बढ़ने से निर्माण लागत पर 4 से 5 रुपये का असर पड़ता है। ऐसे में वे अपने प्रोजेक्ट की संभावित कीमत में इसे जोड़ सकते हैं।

भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वैश्विक स्थापित क्षमता में इसका हिस्सा 8 फीसदी से अधिक है। क्रिसिल रेटिंग के मुताबिक, मकानों और इन्फ्रा गतिविधियों पर खर्च से घरेलू सीमेंट उद्योग ने 2023-24 में 8 करोड़ टन सीमेंट की क्षमता जोड़ी है। यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2027 तक सीमेंट खपत 45 करोड़ टन तक पहुंच सकती है। देश में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में मूल्य के लिहाज से मकानों की बिक्री 68 फीसदी बढ़कर करीब 1.11 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। पिछले साल की समान अवधि में 66,155 करोड़ रुपये के मकान बिके थे।

पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल उच्चतम स्तर पर, फाडा ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली ।
वित्त वर्ष 2024 में भारत में थोक बिक्री की तरह ही पैसेंजर वाहनों की रिटेल सेल भी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया शीर्ष पर रही। टाटा मोटर्स अपनी बाजार हिस्सेदारी में सुधार किया और हुंडई मोटर इंडिया के साथ अंतर को कम करने में सक्षम रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने विकास पथ पर आगे बढ़ना जारी रखा। उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पीवी रिटेल सालाना 8.45प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 3,948,143 यूनिट हो गई, जो वित्त वर्ष 2023 में 3,640,399 यूनिट थी। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि एफवाय24 पीवी सेगमेंट के लिए एक मील का पत्थर वर्ष था। बढ़ी हुई आपूर्ति गतिशीलता, रणनीतिक विपणन प्रयास, लगातार बढ़ती गुणवत्ता वाली सड़क बुनियादी ढांचे और एसयूवी सेगमेंट में मजबूत मांग, जो अब 50प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखती है, ने इस सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मारुति ने वित्त वर्ष 2023 में 1,490,202 इकाइयों के मुकाबले वित्त वर्ष 24 में 1,605,264 इकाइयों की खुदरा बिक्री की। हालाँकि कंपनी की बिक्री में वृद्धि हुई, लेकिन इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में 40.94 प्रतिशत से थोड़ी कम होकर 40.66प्रतिशत हो गई। वहीं हयूदै ने रिटेल सेल में 561,371 यूनिट्स बेचीं और टाटा ने एफवाय24 में 538,264 यूनिट्स की बिक्री की। एफवाय23 में हुंडई ने टाटा द्वारा 492,122 इकाइयों की तुलना में 527,481 इकाइयों की खुदरा बिक्री की।

इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट, गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी

नई दिल्ली ।
दक्षिण कोरिया में पहली तिमाही में इलेक्ट्रिकल व्हीकल की बिक्री में 25 फीसद की गिरावट दर्ज की गई, जबकि गैसोलीन हाइब्रिड मॉडल की बिक्री में 46 फीसद की तेजी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी से लेकर मार्च तक इलेक्ट्रिक व्हीकल का रजिस्ट्रेशन पिछले साल की इसी तिमाही की तुलना में 34,186 से गिरकर 25,550 तक आ गया। ऐसा पहली बार हुआ है जब इलेक्टिक व्हिकल की बिक्री में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इसके विपरीत, पहली तिमाही में गैसोलीन हाइब्रिड वाहन की बिक्री एक साल पहले के 68,249 से बढ़कर 99,832 इकाई हो गई। हालांकि मार्च तिमाही में गैसोलीन से चलने वाले वाहनों की बिक्री एक साल पहले के 2,41,742 से 19 प्रतिशत गिरकर 1,96,472 इकाई रह गई ।वहीं, डीजल कारों की मांग में भी गिरावट देखने को मिली है। डीजल कार की बिक्री में 56 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि ऊंची कीमतों की वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री पूरे वर्ष सुस्त बनी रह सकती है। हाल ही में इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के मामलों से लोग घबराए हुए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण कोरिया में साल 2020 और 2021 के दौरान पार्किंग या चार्जिंग में लगे इलेक्ट्रिक कारों में आग लगने के कई मामले सामने आए थे। कुछ महीने पहले, हुंडई मोटर ने 13 इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर वाहनों में आग लगने के बाद वैश्विक स्तर पर बेची गई 77,000 से अधिक कोना ईवी को वापस बुला लिया था। हुंडई और उसके बैटरी आपूर्तिकर्ता एलजी केम वापस बुलाने के कारणों को लेकर मतभेद में थे।

हालांकि, बैटरी सेल निर्माता ने बैटरियों में गड़बड़ी से साफ़ इंकार कर दिया था। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज करने के लिए चार्जिंग स्टेशनों की कमी भी बड़ी मुसीबत बन रही है। इलेक्ट्रिक कारों की अधिक कीमत और वाहन लोन पर बढ़ती ब्याज दरें भी इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में बाधा बन रही हैं।

भारतीय संस्थापकों ने देश से ज्यादा देश के बाहर बनाए यूनिकॉर्न, क्या कहती है हुरुन की रिपोर्ट

नई दिल्ली ।
2000 के दशक में स्थापित दुनिया के स्टार्ट-अप की रैंकिंग ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2024 के अनुसार, भारतीयों ने किसी भी अन्य देश की तुलना में देश के बाद अधिक यूनिकॉर्न की स्थापना की है। भारतीयों ने भारत के बाहर 109 यूनिकॉर्न की सह-स्थापना की है, जबकि भारत में 67 यूनिकॉर्न हैं। यूनिकॉर्न मूल रूप से कम से कम एक अरब डॉलर या उससे अधिक के स्टार्टअप हैं और अभी तक सार्वजनिक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं। हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 67 यूनिकॉर्न के साथ विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर रखा गया है। इनमें ऑन-डिमांड डिलीवरी स्टार्ट-अप स्विगी और फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ड्रीम 11 शीर्ष पर हैं और इनका वैल्यूएशन आठ-आठ अरब अमरीकी डॉलर है। इसके बाद रेजरपे का नंबर आता है जिसकी मार्केट वैल्यू 7.5 अरब अमरीकी डॉलर है।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय संस्थापकों ने किसी भी अन्य देश की तुलना में देश के बाद अधिक यूनिकॉर्न की स्थापना की। भारत के बाहर 109 यूनिकॉर्न की सह-स्थापना की गई, जबकि भारत में 67 यूनिकॉर्न बने। इंडेक्स के अनुसार भारत के बाहर स्थापित यूनिकॉर्न में से उल्लेखनीय

रूप से 95 अमेरिका में हैं। वहीं, ब्रिटेन में चार, सिंगापुर में तीन और जर्मनी में दो यूनिकॉर्न स्थापित किए गए हैं। अमेरिका और चीन के बाद यूनिकॉर्न के लिए सबसे सक्रिय शहर लंदन रहा, इसके बाद बेंगलुरु, पेरिस और बर्लिन का नंबर है। रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर ग्लोबल, सॉफ्टबैंक और होंगशान के नेतृत्व में दुनिया के सबसे सफल यूनिकॉर्न निवेशकों ने स्टार्टअप और रणनीतिक निवेश के बीच सहजीवी (एक दूसरे पर निर्भर) संबंधों पर प्रकाश डाला। स्टार्टअप में निवेश पर रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में नए यूनिकॉर्न निवेश में मंदी देखी गई है, खासकर 2021 के सुनहरे दिनों की तुलना में क्योंकि हाल के वर्षों में निवेशकों के लिए निवेश के बाद बाहर निकलना कठिन हो गया है। अमेरिका, भारत और ब्रिटेन में रिकॉर्ड तोड़ने वाले शेयर बाजारों में पर्याप्त यूनिकॉर्न आईपीओ नहीं आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के यूनिकॉर्न की यह सूची व्यक्तियों को नए क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने और देशों और शहरों को उनकी भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए यूनिकॉर्न के महत्व को पहचानने के लिए प्रेरित कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, हां, कुछ असफल हो जाएंगे, और जब ऐसा होता है तो पर बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान उस पर जाता है, जैसा कि भारत में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म बायजू के मामले में मीडिया हाइप दिख रही है। पर इसके बावजूद यूनिकॉर्न को नई अर्थव्यवस्था के लिए स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के 53 देशों में यूनिकॉर्न हैं आते हैं, पिछले साल यूनिकॉर्न वाले देशों की संख्या 48 थी। दुनिया के यूनिकॉर्न 291 शहरों में फैले हुए हैं, पिछले वर्ष यह संख्या 271 थी। अमेरिका 703 यूनिकॉर्न के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद चीन का नंबर है जहां 340 यूनिकॉर्न हैं। हुरुन के अनुसार दुनिया भर में 1,453 यूनिकॉर्न हैं, जो एक नया विश्व रिकॉर्ड है और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 7 प्रतिशत या 92 यूनिकॉर्न की बढ़ोतरी हुई है।

बांग्लादेश पर श्रीलंका की सीरीज जीत के बाद मेंडिस, मैथ्यूज टेस्ट रैंकिंग में आगे बढ़े

दुबई।

श्रीलंका की हरफनमौला जोड़ी कामिंदु मेंडिस और एंजेलो मैथ्यूज बांग्लादेश पर मेहमान टीम की 2-0 से सीरीज जीत में योगदान देने के बाद आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग के हालिया अपडेट के अनुसार आगे बढ़ गए हैं। चटगांव में दूसरे टेस्ट में श्रीलंका की 192 रनों की जीत के दौरान, मेंडिस के नाबाद 92 और नौ रनों के परिणामस्वरूप वह बल्लेबाजों की सूची में 18 स्थान की छलांग लगाकर 46वें स्थान पर पहुंच गए। मेंडिस, जिन्होंने मार्च 2024 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार भी जीता, ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट लिए, जिससे उन्हें 46 स्थान का फायदा हुआ और वह गेंदबाजों के बीच 117वें स्थान पर पहुंच गए।

मैथ्यूज, जिन्होंने अगस्त 2014 में करियर की सर्वोच्च तीसरी रैंक हासिल की थी, 23 और 56 के स्कोर के बाद दो पायदान ऊपर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंकाई बल्लेबाज के लिए एक और उल्लेखनीय उछाल में, कुसल मेंडिस पहली पारी में 93 रन की स्कोरिंग के बाद तीन स्थान आगे बढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज दिमुथ करुणारत्ने अंक तालिका में एक स्थान गिरकर आठवें स्थान पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 859 अंकों के साथ शीर्ष क्रम के टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के जो रूट (824 अंक) पर 35 अंकों का अंतर बनाए रखा है, जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम और डेरिल मिशेल (768) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में, तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद सात स्थान ऊपर 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज विश्व फर्नांडो मैच में तीन विकेट लेकर 43वें से 41वें स्थान पर हैं, जबकि तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा चटगांव में छह विकेट लेकर 46वें से 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन, जिन्होंने 54 और 19 रन बनाए, टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर 75वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज दूसरी पारी में नाबाद 81 रनों की शानदार पारी के बाद 99वें से 88वें स्थान पर हैं। बल्लेबाज मोमिनुल हक को चार स्थान का फायदा हुआ है और वह अपनी दो पारियों में 83 रन बनाकर 46वें स्थान पर हैं। नवोदित तेज गेंदबाज हसन महमूद ने मैच में छह विकेट लेने के बाद टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 95वें स्थान पर प्रवेश किया है।

अब तक, भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (870) टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में शीर्ष पर हैं, उनके हमवतन और तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड 847 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जड़ेजा (444 अंक) अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखने के लिए अश्विन (322 अंक) से काफी आगे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत को सिंधु, लक्ष्य ओर प्रणय से रहेंगी उम्मीदें

मुम्बई । चीन में होने वाले बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु के अलावा लक्ष्य सेन, एच एस प्रणय भी पदक दावेदार होंगे। इस टूर्नामेंट में सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ियों की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उन्हें कई बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भाग नहीं लेगी। ऐसे में भारत को पदक की उम्मीदें सिंधु के अलावा लक्ष्य और प्रियांशु राजावत पर रहेंगी। सिंधु को इस टूर्नामेंट में ओलंपिक चैंपियन यूफेई, ताइ जु यिंग, अकाने यामागुची और ही बिंगजियाओ जैसी शीर्ष खिलाड़ियों से खेलने का अवसर मिलेगा। सिधु अपना पहला मुकाबला मलेशिया की विश्व की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ करेंगी। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने पर उन्हें चीन की छठी वरीय हेन युई से खेलना पड़ेगा। वहीं तीसरे दौर में सिंधु का मुकाबला जापान की यामागुची या थाईलैंड की रतचानोक इंतानोन से हो सकता है। वहीं भारत की ही आकर्षी कश्यप को पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से खेलना है। वहीं पुरुष एकल में भारत के लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में शीर्ष वरीय शी युकी से खेलना है जबकि सातवें वरीयता प्राप्त एचएस प्रणय अपना अभियान ल्यू गुआंग झू के खिलाफ शुरू करेंगे। इसके अलावा विश्व के 27वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का मुकाबला विश्व दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय एंथोनी गिनटिंग से होगाहै। युवा भारतीय खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को पहले दौर में मलेशिया के ली जी जिया से भिड़ना है। युगल वर्ग में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तथा कृष्ण प्रसाद गारगा और साई प्रतीक के पुरुष युगल में चुनौती पेश करेंगे। महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को फेब्रियाना द्विपुजी कुसुमा और अमालिया कहाया प्रतिवी की इंडोनेशिया की जोड़ी से खेलना है।

टी20 विश्व कप के लिए विराट को शामिल करना जरुरी : लारा

बेंगलुरु । वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज रहे ब्रायन लारा ने कहा है कि विराट कोहली को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिये। लारा ने कहा कि विराट को धीमे स्ट्राइक-रेट के नाम पर बाहर किये जाने की जो बातें की जा रही हैं। उनका कोई मतलग मुझे नजर नहीं आता है क्योंकि स्ट्राइक-रेट ही सब कुछ नहीं है। विराट की उपयोगित उससे बढ़कर है। वह अंत तक बल्लेबाजी कर रन बनाने के साथ ही पारी को संभालने में सक्षम हैं। विराट पर आईपीएल में धीमें स्ट्राइक-रेट के आरोप लगे हैं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक बनाया। लारा ने कहा कि स्ट्राइक-रेट बल्लेबाजी क्रम पर पर निर्भर करता है, और एक सलामी बल्लेबाज के लिए 130-140 का स्ट्राइक-रेट खराब नहीं कहा जा सकता है। वहीं अगर आप मध्यक्रम में आ रहे हैं तो आपको 150 या 160 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की जरुरत होती है। जैसा कि आपने आईपीएल के इस सत्र में देखा है।

8 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें: मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में, पर्स की रकम बढ़ाने की मांग

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग टीमों के मालिकों की एक बैठक बुलाई है, जो 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। मीटिंग में इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन और प्लेयर रिटेंशन नंबर पर चर्चा होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल होने वाले मेगा ऑक्शन में रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस पर आईपीएल टीम मालिकों के अलग-अलग विचार हैं। नंबर पर कोई स्पष्ट सहमति नहीं है और माना जा रहा है कि बीसीसीआई इस पर बातचीत करना चाहता है। चीजें अभी शुरुआती स्टेज पर हैं। बीसीसीआई लीग को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। इसमें प्लेयर रिटेंशन अहम है। ज्यादातर टीम मालिक इस फैसले के समर्थन में हैं कि वह मेगा ऑक्शन से पहले 8 प्लेयर्स को रिटेन कर पाएं। क्या है खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम अभी नीलामी के लिए रिटेन के नियम के मुताबिक एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं एक खिलाड़ी को राइट टु मैच कार्ड के साथ अपने साथ जोड़ा जा सकता था।

यूएफा चैंपियंस लीग क्वार्टरफाइनल.. पहला लेग

आर्सेनल के ट्रोसार्ड ने बायर्न के खिलाफ स्कोर बराबर किया, मैड्रिड-सिटी मैच 3-3 से ड्रॉ

लंदन/मैड्रिड।

यूएफा चैंपियंस लीग के क्वार्टरफाइल के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। पहला मुकाबला मैड्रिड में मैनचेस्टर सिटी और रियल मैड्रिड के बीच हुआ। वहीं, दूसरा मैच लंदन में इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल और जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख के बीच खेला गया। क्वार्टरफाइनल लेग-1 के दोनों मुकाबले ड्रॉ रहे। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी की स्कोर लाइन 3-3 रही। वहीं, आर्सेनल के खिलाड़ी लियनार्डो ट्रोसार्ड ने 76वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। दूसरे लेग के मुकाबले अगले हफ्ते होंगे।

सिटी-मैड्रिड गेम के पहले 3 गोल 15 मिनट के अंदर हुए - मैनचेस्टर सिटी और रियल मैड्रिड के बीच हुए मुकाबले में पहले हाफ के शुरुआती 15 मिनट में गोल हो गए। शुरुआत मैनचेस्टर सिटी के मिडफील्डर बर्नार्डो सिल्वा ने की। उन्होंने दूसरे मिनट में गोल किया। वहीं, इसके बाद 12वें मिनट में रुबेन दियास ने आत्मघाती गोल और 14वें मिनट में मैड्रिड के मिडफील्डर रोड्रिगो ने गोल कर दिया। टीम ने 2-1 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ के 66वें मिनट में फिल फोडेन ने शानदार स्ट्राइक के साथ सिटी के लिए बराबरी की और फिर 71वें मिनट में जोस्को ग्वारडिओल ने फिर सिटी के लिए बढ़त बना दी। आखिर में 79वें मिनट में मैड्रिड के फेडे वालवर्दे ने फिर गोल दाग दिया और स्कोर 3-3 से बराबर हो गया। सिटी को टीम के स्टार मिडफील्डर केविन डे ब्रुने की कमी खली, जो बुखार के कारण मैच नहीं खेल सके।

आर्सेनल ने मैच का पहला और आखिरी गोल दागा - आर्सेनल ने गेम की शुरुआत पहले गोल स्कोर कर की। टीम के विंगर बुकायो साका ने 12वें मिनट में ही गोल दाग दिया। इसके बाद 18वें मिनट में सर्ज नाबरी ने शानदार गोल स्कोर कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। आर्सेनल लगातार अटैक कर रही थी, और गोल बनाने की कोशिश में लगी थी। तभी 32वें मिनट में टीम ने बॉक्स के अंदर फाउल कर दिया, जिससे बायर्न को पेनल्टी मिल गई। टीम के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में तब्दील कर टीम को 2-1 से लीड दिला दी। आखिर में दूसरे हाफ के 76वें मिनट में सब्सटीट्यूट होकर आए लियनार्डो ट्रोसार्ड ने शानदार स्ट्राइक किया और टीम को 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा कर दिया।

कैसे दो लेग में होते है मुकाबले - राउंड ऑफ 16 से लेकर सेमीफाइनल तक के मुकाबले 2 लेग में खेले जाते हैं। एक-एक मैच दोनों क्लबों के घर में होते है। दोनों लेग में कुल मिला कर ज्यादा गोल करने वाली टीम जितती है। जैसे रियल मैड्रिड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी क्वार्टरफाइनल में 2 मैच खेलेगा। पहला मैच अपने होम ग्राउंड में और दूसरा मैच सिटी के घर में होगा। दोनों मैच में ज्यादा गोल करने वाली टीम जितेगी।

क्वार्टरफाइनल के 2 और मुकाबले - स्पैनिश क्लब एफसी बार्सिलोना और फ्रांस के क्लब क्स्त के बीच मुकाबला होगा। वहीं, दूसरा मैच स्पैनिश क्लब एथलेटिको मैड्रिड और जर्मन क्लब डोर्टमंड के बीच खेला जाएगा। दोनों मुकाबले देर रात 12:30 बजे से होंगे।

दूसरे लेग के मुकाबले 18 को - चारों टीमों के दूसरे लेग के मुकाबले 18 अप्रैल को होंगे। यहां से दो सेमीफाइनलिस्ट डिसाइड होंगे। रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी का मुकाबला सिटी के होमग्राउंड एतिहाद स्टेडियम में होगा। वहीं, आर्सेनल और बायर्न म्यूनिख का मुकाबला म्यूनिख के एलायंज एरीना में खेला जाएगा।

1955-56 से खेली जा रही है यूएफा चैंपियंस लीग - दुनिया की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग 'चैंपियंस लीग' का यह 32वां सीजन है। जिसका चैंपियन 10 जून को मिला जाएगा। लीग की शुरुआत 1955-56 में हुई थी। तब यूरोपियन यूनियन ऑफ फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित लीग का नाम यूरोपियन चैंपियंस कप था। 1992 में नाम बदलकर यूएफा चैंपियंस लीग कर दिया गया। हर सीजन इसमें 32 टीमें हिस्सा लेती है। इन टीमों को 8 ग्रुप में बांटा जाता है।

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा, विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली ।

दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड - रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच लिया।

क्यों हुआ विवाद - मैच के अंतिम क्षणों में जब अल नासर की टीम बराबरी करने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन टीम को इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। मैच के 86वें मिनट में रोनाल्डो ने अल हिलाल के डिफेंडर अली अल बुलाही को कोहनी मार दी जिससे विवाद बढ़ गया। रोनाल्डो की इस हरकत पर अल हिलाल के खिलाड़ियों ने रेफरी से कार्रवाई करने की अपील की। 39 साल का यह दिग्गज खिलाड़ी रेफरी का मजाक उड़ाते भी नजर आया। माना जा रहा है कि इसके लिए रोनाल्डो पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने किए हैं सर्वाधिक गोल - रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेल चुके रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस लीग में 29 गोल किए हैं। अल हिलाल के एलेक्सांद्र मित्रोविच रोनाल्डो से सात गोल पीछे हैं।

अल नासर के अहम खिलाड़ी हैं रोनाल्डो - रोनाल्डो अपनी टीम अल नासर के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। वह अब तक टीम के लिए 37 मैचों में 36 गोल कर चुके हैं और 12 बार गोल करने में सहायता की है। यह रोनाल्डो के करियर में 12वीं बार था जब उन्हें मैच में रेड कार्ड मिला है।

गुकेश और प्रगनानंदा का अब तक का सफर रहा शानदार, आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो।

भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरुआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं।

प्रगनानंदा के साथ मौजूद हैं उनकी मां

पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं।

हंपी दौड़ से बाहर नहीं

देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

भारतीय तिकड़ी के पास मौका

देश के तीसरे ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने कहा- नाकामुरा अपने आपको प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते भारतीय तिकड़ी और नेपोमनियाच्ची, कारुआना के पास मौका है।

पूर्व क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अध्यक्ष जैक क्लार्क का 70 वर्ष की आयु में निधन

मेलबर्न।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पूर्व अध्यक्ष जैक क्लार्क का एडिलेड में 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया है, शासी निकाय ने बुधवार को यह जानकारी दी। क्लार्क 1999 में निदेशक के रूप में सीए बोर्ड में शामिल हुए और 2008 से 2011 तक इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) में निदेशक के रूप में भी 21 साल बिताए और 2012 में उन्हें एसएसीए का मानद आजीवन सदस्य बनाया गया। सीए अध्यक्ष के रूप में, क्लार्क ने कई महत्वपूर्ण पदों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें प्रशासन और उच्च प्रदर्शन में कमीशनिंग रिपोर्ट शामिल थीं। जिसने इन क्षेत्रों में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की प्रथाओं को आकार देने और आधुनिकीकरण करने और बिग बैश लीग के शुभारंभ में मदद की।

सीए के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, जैक ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और एसएसीए के साथ अपनी प्रमुख भूमिकाओं में ऑस्ट्रेलियाई, दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उत्कृष्ट योगदान दिया था और पूरे खेल में उन्हें जानने वाले सभी लोग उन्हें बहुत पसंद करते थे। प्रशासन और उच्च प्रदर्शन सहित महत्वड्डपूर्ण क्षेत्रों में जैक का नेतृत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय था। उस समय के दौरान जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, खेल के प्रति जैक का जुनून तुरंत किसी को भी दिखाई देने लगा जिसने उसके साथ क्रिकेट में एक दिन का आनंद लिया। बेयर्ड ने कहा, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से, मैं जैक की पत्नी सू, उनकी बेटियों जॉर्जी और लुसी, उनके विस्तारित परिवार और कई दोस्तों, उन सभी भाग्यशाली लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहता हूं जो उन्हें जानते हैं। 1954 में रेनमार्क में जन्मे क्लार्क ने दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्लेनेल्ग क्रिकेट क्लब के लिए खेला, इसके बाद एक वकील के रूप में अपना करियर शुरू किया। क्लार्क केरी पैकर क्रिकेट फाउंडेशन के निदेशक, लॉर्ड्स टैवर्नर्स क्लब के सदस्य और दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई ब्रैडमैन लाइब्रेरी अपील समिति के सदस्य भी थे। सभी स्तरों पर क्रिकेट के प्रति उनका विशाल उत्साह स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट प्रशासन में उनके लंबे और सफल करियर के लिए प्रेरणा था, जिसमें आईसीसी में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना भी शामिल था। एसएसीए बोर्ड में जैक के 21 साल दक्षिण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है और खेल के प्रति उनका जुनून उन सभी के लिए स्पष्ट था जो उन्हें जानते थे। विल रेनर ने कहा, जैक खेल के सच्चे पात्रों में से एक था। उसकी हंसी और जीवन के प्रति उत्साह प्रभावशाली था और हम उसे बहुत याद करेंगे। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उसकी पत्नी सू और बेटियों जॉर्जी और लुसी के साथ हैं।

फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने, युगल में बोपन्ना के नाम है कीर्तिमान

मोंटे कार्लो (फ्रांस)।

नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं।

रिकॉर्ड 420वें सप्ताह नंबर एक बने नोवाक - जोकोविच नंबर एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं। फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक रहे थे। जोकोविच ओपन दौर में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। फेडरर ने पीट सेंप्रास के 14 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा था। राफेल नडाल ने फेडरर के 20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा और जोकोविच ने नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। जोकोविच मोंटे कार्लो में अपने नियमित कोच रहे गोरान इवानिसेविच के बिना पहली बार टेनिस कोर्ट पर उतरेंगे। महिलाओं में पोलैंड की इगा स्वियातेक नंबर एक की पदवी पर बरकरार हैं।

मैं और रोहन ओल्ड हैं पर गोल्ड हैं : जोकोविच - एटीपी पर वीडियो पोस्ट में बोपन्ना ने कहा कि अनुभव काफी मायने रखता है, लेकिन जोकोविच का मानना है कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र समर्पण है। बोपन्ना ने कहा कि अनुभव जीतता है और यह यहीं से उन्हें मिला है। जोकोविच ने कहा कि अनुभव के साथ समर्पण और निष्ठा भी मायने रखती है। उन्होंने बोपन्ना को घंटों जिम में फीजियो के साथ समय बिताते हुए देखा है। इतने वर्षों तक एटीपी टूर को आपके साथ साझा करना शानदार है। जोकोविच कहते हैं कि एकल और युगल दोनो में सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक होना अद्भुत है। यह सर्बिया और भारतीय टेनिस दोनों के लिए अच्छा है। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। टेनिस की भारत में अपार लोकप्रियता है और बोपन्ना इसमें सानिया, भूपति, पेस के साथ लगातार योगदान देते रहे हैं।

नेचर्स गिफ्ट

बिना साइड इफेक्ट उठाएं अर्जुन के पेड़ के लाभ...

अर्जुन का पेड़ आयुर्वेद में काफी ज्यादा प्रयोग होता है। इसमें कई तरह के गुण होते हैं, जिसकी वजह से इसे दवाइयों में डाला जाता है। अर्जुन के पेड़, फल, पत्तियों और जड़ों को कई बीमारियों को दूर करने के लिये प्रयोग करते हैं। इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है, इसलिये इसे आजमाने में हिचकिचाएं नहीं।

मुंह की बीमारियां दूर करे: यदि अर्जुन के पेड़ की छाल के पावडर को तिल के तेल के साथ मिला कर रोज़ कुल्ला किया जाए, तो मुंह के फोड़े और अल्सर ठीक हो जाते हैं। इससे कैविटी, मसूड़ों की समस्या, संक्रमण, ब्लीडिंग, दांत दर्द और मुंह की बदबू दूर होती है।

चेहरे की झाइयां मिटाए: अर्जुन के छाल के पावडर में थोड़ा सा शहद लगाएं और हफ्ते भर तक चेहरे पर लगाएं। इससे त्वचा बिल्कुल साफ नजर आती है।

दिल की धड़कन होगी नार्मल: 1 चम्मच अर्जुन के छाल के पावडर को 1 गिलास टमाटर के जूस में डालें और पी लें। इससे यदि दिल की धड़कने तेज हैं, तो वो नॉर्मल हो जाएंगी।

रक्तपित्त: सुबह अर्जुन की छाल क काढ़ा बनाकर पीने से रक्तपित्त दूर हो जाता है। यदि हड्डी टूट जाए तो, 1 कप दूध में 1 चम्मच अर्जुन के छाल का पावडर मिला कर दिन में तीन बार पियें। इससे हड्डियों में ताकत आती है और जल्द ही हड्डी जुड़ जाती है। आप चाहें तो छाल के पावडर को घी के साथ मिक्स कर के जहां हड्डी टूटी हैं, वहां पर लगा कर बैंडेज बांध सकते हैं। रोजाना 40 एम एल अर्जुन के छाल का काढ़ा पियें। इस काढ़े से पेशाब की रुकावट दूर हो जाती है।

हेल्थ नॉलेज

मलेरिया से सुरक्षा करता है एनीमिया...

एनीमिया आपके बच्चे की मलेरिया से सुरक्षा कर सकता है, ये बात एक नई स्टडी में सामने आई है। इस स्टडी के मुताबिक एनीमिया से पीड़ित बच्चे का आयरन सप्लीमेंट्स से इलाज आयरन की कमी के इस सुरक्षात्मक प्रभाव को खत्म कर सकता है। रिसर्चर्स ने साबित किया कि आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया वास्तव में बच्चों की प्लाजमोडियम फैल्सीपेरम मलेरिया के ब्लड-स्टेज से सुरक्षा करता है और एनीमिया का आयरन सप्लीमेंट्स से इलाज इस सुरक्षात्मक प्रभाव को खत्म करता है। रिसर्चर्स ने मिलकर गैम्बिया के मलेरिया महामारी वाले क्षेत्र के 6 से लेकर 24 महीने के बच्चों में एनीमिया पीड़ित 135 बच्चों में लाल रक्त कोशिकाओं (रेड ब्लड सेल) का अध्ययन किया।

माइक्रोन्यूट्रिएंट पाउडर: बच्चों को 84 दिनों तक आयरन सप्लीनेंटेशन ट्रायल के तहत माइक्रोन्यूट्रिएंट पाउडर द्वारा 84 दिनों तक आयरन दिया गया। उनकी लाल रक्त कोशिकाओं का विश्लेषण 49वें और 84वें दिन किया गया। हमारे नतीजों की एनीमिया ब्लड-स्टेज मलेरिया के खिलाफ प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करता है से हमें ये दिलचस्प परिकल्पना करने का मौका मिला कि अफ्रीकी मूल के लोगों में एनीमिया का व्यापक प्रसार मलेरिया का एक जेनेटिक लक्षण हैं।

एनीमिया, आयरन सप्लीमेंटेशन: ये नई रिसर्च इस बात का प्रमाण है कि आयरन सप्लीमेंटेशन पी फैल्सीपेरम मलेरिया के खतरे को बढ़ाती है और आयरन सप्लीमेंटेशन प्रोग्राम द्वारा मलेरिया रोगनिरोध के प्रयोग के लिए समर्थन प्रदान करता है। खासकर गंभीर स्टेज में, लाल रक्त कोशिका संबंधी रिकवरी के शुरुआती चरण में। ये स्टडी एनीमिया, आयरन सप्लीमेंटेशन और मलेरिया के खतरों के संबंधों पर रोशनी डालती है।

इसलिए जरूरी है ब्रश करना

सुबह बिस्तर छोड़ते ही हमारा सबसे पहला काम ब्रश करना ही होता है। बचपन से लेकर बुढ़ापे तक दांतों की सफाई व ताजगी के लिए ब्रश करना हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। यादाश्त को दुरुस्त रखने में भी दांतों की सफाई जरूरी है।

रिश्तों में अपेक्षाएं

अपेक्षाओं का दायरा: आपकी अपेक्षाएं कितनी हैं और कितनी रियल स्टिक हैं, इस बात पर ध्यान जरूर दें। अपनी परिस्थितियों, आर्थिक स्थिति व अपने रिश्तों की सीमाएं पहचानें और उन्हीं के आधार पर अपनी अपेक्षाएं रखें।

2)दूसरों को देखकर अपनी हदें तय न करें: कभी भी दूसरों की जिंदगी के आधार पर अपनी अपेक्षाएं न बढ़ाए । हमें दूसरों की जिंदगी आकर्षक लगती है, लेकिन सबकी जिंदगी में अपनी-अपनी परेशानियां व सबके अपने- अपने दायरे होते हैं।

3)दूसरों की भी अपेक्षाओं का ख्याल रखें: हमें क्या चाहिए, हमसे लोग कैसा व्यवहार करते हैं, हमें लोग क्या देते हैं। ऐसी बहुत-सी बातें हैं। जिन पर हमारा ध्यान अधिक रहता है बजाय इसके कि हमने क्या दिया, हमने कैसा व्यवहार किया या हम दूसरों की अपेक्षाओं पर कितने खरे उतरते हैं। जिस तरह के व्यवहार की अपेक्षा हम दूसरों से करते हैं, हमें खुद भी उनके साथ उसी तरह का व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि जिस तरह हम उनसे अपेक्षाएं रखते हैं, उसी तरह वो भी हमसे अपेक्षाएं रखते हैं। क्या हम अपने कंफर्ट जोन से निकलकर अपनों के लिए कुछ एक्स्ट्रा करते हैं? अगर नहीं, तो इस पर हमें सोचना होगा।

4)कुछ एक्स्ट्रा करें: रिश्तों में गर्माहट बनी रहे, आपस में प्यार-मुहब्बत बना रहे, इसके लिए जरूरी है थोड़ा एक्स्ट्रा एफर्ट। अपनों के लिए कभी-कभार उनकी अपेक्षाओं से कुछ अधिक भी कर दिया करें. इससे उन्हें खुशी मिलेगी। अनपेक्षित रूप से जब कुछ मिल जाता है, तो उसकी खुशी भी अलग ही होती है।

5)अपेक्षाओं के ओवरडोज से बचें: कुछ एक्स्ट्रा करके अपनों की अपेक्षाएं अक्सर बढ़ने लगती हैं, लेकिन यह ध्यान रखें कि आप इसकी आदत न डालें, वरना उस एक्स्ट्रा एफर्ट को लोग आपकी ड्यूटी समझने लगेंगे और जब कभी आप इसे पूरा करने में चूकेंगे, तो उन्हें लगेगा कि आप अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। इसी तरह से आप भी अपनी अपेक्षाओं का दायरा थोड़ा-सा सीमित ही रखें, यदि कोई आपके लिए एक्स्ट्रा एफर्ट लेकर कुछ कर रहा है, तो हमेशा उससे यही उम्मीद न लगाकर बैठें,अगर किन्हीं कारणों से कोई आपकी अपेक्षाओं पर उतना खरा नहीं उतर पा रहा, तो उसकी परेशानियों व परिस्थितियों को समझने का प्रयास करें। खुद को उसकी जगह पर रखकर सोचें, इस तरह रिश्ते हमेशा सकारात्मक बने रहेंगे और उनमें तकरार की संभावनाएं भी कम होंगी।

औरतों से ज्यादा इन कामों में परफैक्ट हैं मर्द

औरतों को पुरूषों का काम अलग-अलग होता है। शुरू से ही यहीं माना जाता है कि महिलाएं ही घर को आसनी से संभाल सकती हैं। ऐसा नहीं है कि मर्द घर का काम नहीं कर सकते बल्कि वह औरतों से भी अच्छा काम करते हैं। आपकी पत्नी भी अगर इस बात को लेकर अक्सर ताने देती है तो ये जान लें कि आपने कामों से किस तरह उसको खुश कर सकते हैं।

1. सोच समझ कर करें खर्च

बीवी को होम मिनिस्टर का खिताब दिया जाता है। ऐसा माना जाता है कि कम पैसों में घर का खर्च सिर्फ औरतें ही कर सकती हैं। आपको ज्यादा जेब खर्ची की आदत है तो थोड़ा संभल जाएं। आप पत्नी से बड़ी यह खिताब जीत सकते हैं।

2. शॉपिंग में पति करते हैं बचत

आप शॉपिंग के मामले में खुद को स्मार्ट समझ ही है तो जरा पति देव की खरीदारी पर भी ध्यान दें। मर्द हमेशा सोच समझ कर खरीदारी करते हैं।

3. पैकिंग

कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो सूटकेस पैक करने का काम पति को सौंपे। ज्यादातर महिलाएं यह मानती हैं कि उनके पति बेहतर तरीके से सामान पैक करते हैं।

4. अच्छे शैफ भी हैं पति

किचन में पत्नी तो रोज खाना बनाती हैं लेकिन जिस दिन लजीजदार खाना खाने का मन करे तो पति से कुकिंग की फरमाइश करें। आप खुद हैरान रह जाएंगी कि रसोई के काम में वो आपको भी मात दे सकते हैं।

हेल्थ सीक्रेट

दांतों से टार्टर की परत हटाने के घरेलू नुस्खे...

शराब, गुटका, पान, तम्बाकू, सिगरेट आदि जैसी गलत चीजों और चाय, कॉफी, सॉफ्ट ड्रिंक्स के ज्यादा सेवन से दांत खराब हो जाते हैं और डेंटन पर एक परत जम जाती है। यह टार्टर की लेयर दांतों की चमक कम करने के साथ-साथ कई रोगों का कारण भी बन सकती है और दांतों की जड़ को कमजोर कर देती है। यहां तक उम्र के साथ कई बार दांतों पर इनेमल की परत जमती चली जाती है जिसके कारण दांत पीले हो जाते हैं। अगर आपके दांतो में टार्टर की लेयर आ गई है, और उसे हटाने के लिए आप डेंटिस्ट के पास जाने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताएंगे जिससे आप अपने घर पर खुद ही डेंटिस्ट बन कर टार्टर को हटा सकते हैं।

मुंह के बैक्टीरिया

इसके अलावा आमतौर पर हमारे मुंह में बैक्टीरिया रहते हैं, जब हम खाना खाते हैं और खाने के बाद कुल्ला या ब्रश नहीं करते तो खाने के कुछ कण मुंह में रह जाते हैं। ऐसे में खाने के 20 मिनटों के अंदर ही बैक्टीरिया खाने के कणों खासकर मीठी या स्टार्च वाली चीजों को एसिड में बदल देते हैं। बैक्टीरिया वाला यह एसिड और मुंह की लार मिलकर एक चिपचिपा पदार्थ प्लाक बनाते हैं। यह कुछ दांतों पर चिपक जाता है। अगर काफी दिनों तक उन दांतों की ढंग से सफाई न की जाये तो यह प्लाक सख्त होकर टार्टर बन जाता है और दांतों व मसूड़ों को खराब करने लगता है। वैसे तो आज-कल डेंटल चिकित्सा ने काफी तरक्की कर ली है और डेंटल ब्लीचिंग से टार्टर को हटाया जा सकता है। लेकिन जब घर में ही मौजूद चीजों से इसे हटाया जा सकता है तो फिर डेंटिस्ट के पास जाने की क्या जरूरत है।

घरेलू नुस्खे की सामग्री

- बेकिंग सोडा
- हाइड्रोजन पेरोक्साइड
- टूथ ब्रश
- डेंटल पिक
- पानी
- नमक
- माउथ वॉश

इस्तेमाल करने की विधि

एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा चम्मच नमक को मिक्स करके, इस पेस्ट को ब्रश पर लगाकर 5 मिनट तक अच्छी तरह से दांतों पर ब्रश करें। फिर एक कप हाइड्रोजन और आधा कप गुनगुना पानी मिक्स करें और इस पेस्ट से 1 मिनट तक माउथ वॉश करें। अब डेंटल पिक से दांतों के टार्टर को अच्छी तरह से रब करें। लेकिन ध्यान रहें कि आप अपने मसूड़ों को न रगड़ें। रोजाना इस उपाय को दूर करने के लिए आपके दांतों से टार्टर की लेयर हट जाएगी और आपको डेंटिस्ट के पास जाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी! तो देर किस बात की आज ही ट्राई करें। दांतों से टार्टर की लेयर हटाने के लिए भी बेकिंग सोडा एक कारगर प्रोडक्ट है। लेकिन इसके ज्यादा इस्तेमाल से बचना चाहिए। 2008 में जर्नल ऑफ क्लीनीकल डेंटिसिट्री में छपे एक शोध के अनुसार, इसमें अल्काइन सब्सटेंस में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-सेप्टिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री गुण मौजूद होते हैं।

साइटिका पेन से छुटकारा दिलाएगा लहसुन का दूध...

साइटिका एक ऐसा दर्द है जो अधिकांश लोंगो को हो जाता है। इसमें कमर से ले कर पैर की नसों तक दर्द होता है, जिसे सियाटिक नर्व कहते हैं। कभी कभी तो यह दर्द पैरों तक चला जाता है। साइटिका का दर्द किसी को भी हो सकता है। अच्छी बात तो यह है कि इस बीमारी का एक घरेलू उपचार उपलब्ध है, जिसकी रेसिपी काफी पुरानी है। साइटिका के दर्द को दूर करने के लिये लहसुन का दूध एक आम उपचार माना गया है। इस उपचार से सियाटिक नसों में आई हुई सूजन और दर्द कम होगी और आराम मिलेगा। आज इस आर्टिकल में हम आपको इसके गुणों के बारे में बताएंगे और सिखाएंगे कि आप इसे घर पर कैसे बना सकते हैं।

भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट

साइटिका के दर्द को दूर करने के लिये गार्लिक मिल्क पीने का फायदा लहसुन का दूध एक प्राकृतिक पेय है, जो कई सालों से आंत के परजीवी को मारने तथा वायरल और बैक्टीरियल संक्रमण से लड़ने के लिये इस्तेमाल किया जाता था। यह पेय नसों के दर्द में भी आराम दिलाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। गार्लिक के दूध में जरुरी पोषण जैसे, विटामिन मिनरल, पॉलीसैक्राइड्स, प्रोटीन, फ्लेवोनॉइड्स और एंजाइम्स होते हैं। इन फायदों से शरीर में बैक्टीरिया द्वारा हुए असंतुलन से जो सूजन आई हुई होती है, उसका उपचार किया जाता है।

बनाने का तरीका

आइये जानते हैं लहसुन का दूध तैयार कैसे किया जाता है लहसुन की बड़ी बड़ी कलियां लें और उसे या तो पीस लें या फिर उसे छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। फिर उसे एक गिलास दूध में उबाल लें। इससे लहसुन का अर्क दूध में मिल जाएगा। आप चाहें तो दूध में थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं, लेकिन इससे दूध का स्वाद नहीं बदलेगा। काफी सारे लोग गाय के दूध का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप को दूध पीने से गैस बनती है या अन्य तकलीफ होती है, तो आप चावल, बादाम या सोया मिल्क का भी प्रयोग कर सकते हैं। सामग्री- 5 लहसुन की कलियां 1 कप (250 द्वद्य) दूध 2 चम्मच (50 द्द) शहद बनाने की विधि - सबसे पहले लहसुन को छील कर पीस लें या फिर बारीक काट लें। फिर दूध में लहसुन मिलाएं और 15 मिनट तक पकाएं। यदि आप लहसुन को उबालना नहीं चाहते तो, दूध गरम कर के उसमें पिसी लहसुन को मिला दें और 2 घंटे के लिये उसी में रहने दें। इससे लहसुन अपना अर्क दूध में छोड देगा। कैसे पियें- साइटिका के दर्द से तुरंत राहत चाहिये तो इसे रोज़ एक कप (250 एम एल) पियें। अगर यह आपके लिये बहुत ज्यादा हो तो, पेय को बांट लें और थोड़ी थोड़ी देर पर पियें। इसे तब तक पियें जब तक कि दर्द से राहत ना मिल जाए।

घर संसार

कॉकरोच ने कर रखा है परेशान तो करें ये उपाय

गर्मिया शुरू होते ही घर में कॉकरोच आने शुरू हो जाते है। इनसे साफ-सुथरा घर इतना गंधा और कीटाणुओं से भर जाता है कि बीमारियों के फैलने की आंशका बढ़ जाती है। इन्हें दूर भगाने के लिए बाजार में महंगे से महंगे स्प्रे और चॉक मिलते हैं लेकिन इन चीजों के इस्तेमाल से भी यह घर से बाहर नहीं निकलते। यह परेशानी आपको हर घर में आम देखने को मिलेगी। इस परेशानी को दूर करने के लिए आपको कुछ ज्यादा करने की जरूरत नहीं बल्कि आप अपनी किचन की ही इस्तेमाल करने वाली चीजों से इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

1. लौंग : तेज गंध वाला लौंग भी कॉकरोचों को भगाने के लिए एक अच्छा उपाय है। किचन के ड्राजरों और स्टोर रूम की अलमारियों में लौंग की कुछ कलियों को रख देने से कॉकरोच भाग जाते हैं।

2.पुदीना : ताजा पुदीने की पत्तियों को एक पालीबैग में डाले। अब उन्हें उस जगह पर रखे जहाँ आपको ज्यादा कॉकरोच दिखाई देते है। कुछ दिनों एक बाद इन पत्तो को बदलते रहे।

3. बेकिंग पाउडर और चीनी : एक कटोरे में बराबर मात्रा में बेकिंग पाउडर और चीनी मिलाएं और उस कटोरे को वहां पर रखें यहां पर कॉकरोच अधिक मात्रा में हो।10-15 दिनों में इस सोडे को बदलती रहें क्योंकि नमी की वजह से इसकी महक चली जाएगी।

4.अण्डे केछिलके : अगर आप अण्डा खाते हैं तो अण्डा खाने के बाद उसके छिलके को ना फेंकें क्योंकि यह कॉकरोच को भगाने के काम आ सकते हैं। खाली अण्डे के छिलको को किचन कैबिनेट या शैल्फ पर रख दें, इससे कॉकरोच किचन में नहीं आएंगे।

5. केरोसिन ऑयल : केरोसिन ऑयल के इस्तेमाल से भी कॉकरोच भाग जाते हैं लेकिन इसकी बदबू बहुत तेज होती है। सोच समझकर ही इसका इस्तेमाल करें।

6.रेडवाइन :यहां पर कॉकरोच सबसे ज्यादा रहते हों वहां पर एक कटोरी में 1/3 रेड वाइन डालकर रख दीजिए।

7. खीरा : गर्मियों में खीरे का खूब इस्तेमाल होता है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते कि खीरे की गंध कॉकरोचों को दूर भगाती है।

8.कॉफी : कॉकरोच भगाने का यह काफी असरदार तरीका है। बस छोटी-छोटी प्लेट्स या कटोरी में कॉफी के दाने घर के कोनों में रख दें।

रेसिपी

तवा पुलाव

सम्रागी

500 ग्राम चावल (उबले हुए), 4 टमाटर (बारीक कटे हुए), 2 उबले आलू (कटे हुए), 2 प्याज (बारीक कटा हुआ), 50 ग्राम हरी मटर, 1 शिमला मिर्च (बारीक कटा हुआ), 1 बड़ा चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1 छोटा चम्मच जीरा, 4 बड़े चम्मच तेल, 1/3 हरा धनिया (बारीक कटा हुआ), 2 छोटे चम्मच पाव भाजी मसाला, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादनुसार

विधि

सबसे पहले एक बड़े तवे में तेल गरम करें। उसके बाद इसमें जीरा और प्याज डाल कर इसे अच्छी तरह भूनें। प्याज के लाल होने के बाद अदरक लहसुन का पेस्ट भी डाल दें। मिश्रण को 1 से 2 मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें मटर और शिमला मिर्च डाल कर इस दोबारा भूनें। इसके बाद इसमें टामटर डाल कर मिश्रण को अच्छी तरह 2-3 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें लाल मिर्च, हल्दी और आलू डालकर इसे 2 से 3 मिनट के लिए और पकाएं। अब पाव भाजी मसाला डाल कर 2 मिनट के लिए ढककन से ढाक दें। इसके बाद इसमें चावल और नमक डालकर पूरे मिश्रण को अच्छी से मिला लें। आखिरी में गरम मसाला और हरा धनिया डाल कर चावल को 2 से 3 मिनट के लिए पकने दें ताकि गरम मसाला का टेस्ट चावल में अच्छी तरह आ जाए। आपका गरमा गरम तवा पुलाव तैयार है।

वैनिला स्पोंज केक

सामग्री

1 1/4 कप मैदा, 1 1/2 टी-स्पून बेकिंग पाउडर, 1/2 टी-स्पून बेकिंग सोडा, 3/4 कप कन्डेन्स्ड मिल्क, 4 टेबल-स्पून पिघला हुआ मक्खन, 1 टी-स्पून वैनिला ऐसेन्स, पिघला हुआ मक्खन , चुपड़ने के लिए, मैदा, डस्ट करने के लिए

विधि

मैदा, बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा को मिलाकर छान लें। एक तरफ रख दें। एक 175 मिमी (7) व्यास के केक टिन को पिघले हुए मक्खन से चुपड़ लें, मैदा से डस्ट कर लें और आटे को अच्छी तरह फैला लें। हिलाकर अत्यधिक आटा निकाल लें। कन्डेन्स्ड मिल्क, पिघले हुए मक्खन और वैनिला ऐसेन्स् को एक गहरे बाउल में स्पैच्यूला का प्रयोग कर अच्छी तरह मिला लें। छाना हुआ आटे का मिश्रण और 5 टेबल-स्पून पानी डालकर, स्पैच्यूला का प्रयोग कर हल्के हाथों मिला लें। घोल टपटने जितना गाढ़ा होना चाहिए। इस घोल को छुपड़े और डस्ट किये हुए 175 मिमी (7) व्यास के केक टिन में डालें। पहले से गरम अवन में $180°C$ ($360°F$) के तापमान पर 25 मिनट के लिए बेक कर लें। जब केक टिन के किनारे छोड़ दे और छुने पर स्प्रिंग जैसा लगे, इसका मतलब की आपका केक तैयार है। टिन को रैक के उपर पलटाकर थपथपाते हुए केक निकाल लें। ठंडा करने के लिए एक तरफ रख दें और ज़रुरत अनुसार प्रयोग करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**